RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

चेतना मंच

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

वर्ष : 26 | अंक : 42 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 02 फरवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

सदन में गूंजा 'वापस जाओ' राज्यपाल बोली... और शोर मचाइए...

यूपी के बजट सत्र में शोर-शराबे के बीच राज्यपाल का अभिभाषण

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज भारी हंगामे के साथ शुरू हो गया। प्रदेश में कानून व्यवस्था व गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा के बाहर व सदर के अंदर पोस्टर लेकर हंगामा किया। इस दौरान हंगामा कर रहे सपा विधायकों ने 'राज्यपाल वापस जाओ' के नारे लगाये। जिसके जवाब में राज्यपाल बोली.... और शोर मचाइए। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सदन में हंगामे के बीच अपना अभिभाषण पढ़ा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 12 फरवरी तक चलेगा और 5 फरवरी को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना 2024-25 का बजट पेश करेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अपने अभिभाषण की शुरुआत की। राज्यपाल के अभिभाषण के प्रारंभ होते ही विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा और शोरगुल शुरू कर दिया। हालांकि, इस दौरान भी राज्यपाल अभिभाषण पढ़ती रहीं। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा देश में रामराज्य के प्रारंभ का प्रतीक है। उन्होंने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर प्रदेश सरकार की पीठ ठोंकी और कहा कि इससे राज्य को बड़ा लाभ हुआ है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र से पहले राज्यपाल से मिले सीएम योगी।

उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड का मसौदा तैयार

लड़कियों की शादी की उम्र 21, लिव-इन रिलेशन वालों का रजिस्ट्रेशन जरूरी !

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड का मसौदा तैयार हो गया है। इसे लागू करने की दिशा में आज अहम प्रगति हुई है। मुख्य सेवक सदन में आयोजित एक कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई ने यूसीसी मसौदा समिति के सदस्यों के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को यूसीसी मसौदा रिपोर्ट सौंपी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मसौदे में क्या है खास!

- समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक लग जाएगी और बहुविवाह पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी।
- लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र 21 साल तय की जा सकती है।
- लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों को अपनी जानकारी देना अनिवार्य होगा और ऐसे रिश्तों में रहने वाले लोगों को अपने माता-पिता को जानकारी प्रदान करनी होगी।
- लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए पुलिस में रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा।
- विवाह के बाद अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता हो सकती है। प्रत्येक विवाह का संबंधित गांव, कस्बे में पंजीकरण कराया जाएगा और बिना पंजीकरण के विवाह अमान्य माना जाएगा।
- विवाह पंजीकरण नहीं कराने पर किसी भी सरकारी सुविधा से वंचित होना पड़ सकता है।
- मुस्लिम महिलाओं को भी गोद लेने का अधिकार होगा और गोद लेने की प्रक्रिया सरल होगी।
- लड़कियों को भी लड़कों के बराबर विरासत का अधिकार मिलेगा।
- मुस्लिम समुदाय के भीतर इद्दत जैसी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।
- पति और पत्नी दोनों को तलाक की प्रक्रियाओं तक समान पहुंच प्राप्त होगी।
- नौकरीपेशा बेटे की मृत्यु की स्थिति में बुजुर्ग माता-पिता के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पत्नी पर होगी और उसे मुआवजा मिलेगा।
- पति की मृत्यु की स्थिति में यदि पत्नी पुनर्विवाह करती है तो उसे मिला हुआ मुआवजा माता-पिता के साथ साझा किया जाएगा।
- यदि पत्नी की मृत्यु हो जाती है और उसके माता-पिता को कोई सहारा नहीं मिलता है, तो उनकी देखरेख की जिम्मेदारी पति पर होगी।
- अनाथ बच्चों के लिए संरक्षकता की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।
- पति-पत्नी के बीच विवाद के मामलों में बच्चों की कस्टडी उनके दादा-दादी को दी जा सकती है।
- बच्चों की संख्या पर सीमा निर्धारित करने सहित जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रावधान पेश किए जा सकते हैं।
- पूरा मसौदा महिला केंद्रित प्रावधानों पर केंद्रित हो सकता है. आदिवासियों को यूसीसी से छूट मिलने की संभावना है।

प्राधिकरण के गेट पर किसानों की महापंचायत, चारों गेट पर डाले ताले

नोएडा (चेतना मंच)। फिल्म बॉबी का चर्चित गाना 'अंदर से कोई बाहर न आ सके, बाहर से कोई अंदर न जा सके'। आज नोएडा प्राधिकरण पर बिल्कुल सटीक बैठ रहा है। पिछले 52 दिनों से अपने हक के लिए बेमियादी धरने पर बैठे किसानों ने आज नोएडा प्राधिकरण के चारों प्रवेश द्वारों को सील कर दिया है। हर गेट पर सैकड़ों किसान तथा महिलाएं डेरा डालकर बैठी हैं। जिससे सुबह 10.00 बजे से कोई भी अधिकारी तथा कर्मचारी अपने कार्यालय नहीं पहुंच पाया।

प्राधिकरण के अधिकारिक सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि स्वयं सीईओ डा. लोकेश एम भी अपने दफ्तर नहीं पहुंच पाये। वे सेक्टर-14ए स्थित कैंप कार्यालय में बैठकर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। एसीईओ सतीश पाल व अन्य शीर्स अफसर सेक्टर-29 स्थित एनएमआरसी दफ्तर पर डेरा डाले हैं। वहीं महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक तथा वर्क सर्किल प्रभारी व वरिष्ठ प्रबंधक सेक्टर-19 तथा 20 के दफ्तरों में बैठे काम निपटा रहे हैं। अन्य कर्मचारी भी किसानों के जमघट तथा हठधर्मिता के आगे अपने दफ्तरों में घुस नहीं पाये।

खबर लिखे जाने तक प्राधिकरण के सभी चारों प्रवेश द्वार किसानों के कब्जे में थे। किसी को भी अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था।

भारतीय किसान परिसद के मुखिया सुखवीर पहलवान का कहना है कि आज महापंचायत हो रही है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

घरों में कॉमर्शियल गतिविधियां चलाने वालों पर शिकंजा

- **ग्रेनो प्राधिकरण ने अंसल गोल्फ लिंक-1 में चलाया सीलिंग अभियान**

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अंसल गोल्फ लिंक-1 में आवासीय मकान में चल रही व्यवसायिक गतिविधियों के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आज एक बार फिर कार्यवाही की। व्यवसायिक गतिविधियां चलाने पर कई मकानों को सील किया गया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से व्यवसायिक गतिविधियां चलाने वाले मकान मालिकों में हड़कंप मच गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना विभाग की प्रबंधक (शेष पृष्ठ-3 पर)

दहेज के लिए बहु का जबरन करवा दिया गर्भपात

नोएडा (चेतना मंच)। दहेज की मांग पूरी न होने पर दहेज लोभी ससुरालियों ने दो विवाहितों को मारपीट का घर से निकाल दिया। विवाहिताओं का आरोप है कि ससुराल वालों ने उनका जबरन गर्भपात भी करा दिया। पीड़िताओं ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाली रेखा (काल्पनिक नाम) ने थाना ईकोटेक-3 में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका विवाह 22 फरवरी 2023 को दिल्ली निवासी अरिहंत कुमार के साथ हुआ था। शादी के समय उसकी विधवा मां व भाइयों ने कर्ज लेकर अपनी हैसियत अनुसार दान भेज दिया था। शादी के कुछ दिन बाद ही अरिहंत कुमार व उसकी सास विनीत गुप्ता ने उस पर मायके से कार लाने का दबाव डालना शुरू कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

तेज रफ्तार कार ने ऑटो में मारी टक्कर, चालक की मौत

ट्रक ने मारे इमरजेंसी ब्रेक, हुआ हादसा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बीती रात तेज गति में आ रही कार ने ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसमें बैठी सवारी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं यमुना एक्सप्रेसवे पर आगे जा रहे ट्रक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहा ट्रक उसमे भीड़ गया। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। थाना सेक्टर-142 प्रभारी विनीत राणा ने बताया कि

छठी मंजिल से कूदकर महिला ने दी जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील ग्रीन सोसाइटी की छठी मंजिल से आज सुबह एक महिला ने छलांग लगा दी। गंभीर स्थिति में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

पंचशील ग्रीन-1 सोसाइटी में बालकिशन अपने परिवार के साथ छठवें फ्लोर पर रह रहे हैं। आज सुबह उनकी 52 वर्षीय पत्नी मालती अपने फ्लोर की बालकनी से नीचे कूद गई। नीचे गिरने पर मालती लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गई। इस दौरान सोसायटी में घूम रहे लोगों ने बालकिशन के परिजनों को हादसे की जानकारी दी। परिजन मालती को उपचार के लिए तुरंत यथार्थ अस्पताल लेकर पहुंचे। परीक्षण के उपरांत चिकित्सकों ने मालती को मृत घोषित कर दिया सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि महिला ने किस वजह से आत्महत्या की है इसकी (शेष पृष्ठ-3 पर)

छपरौली गांव के नाले से मिला महिला का शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के छपरौली गांव के पास नाले से एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से नाले में फेंका गया है। थाना प्रभारी सरिता मलिक ने बताया कि गुरुवार को किसी व्यक्ति ने सूचना दी की छपरौली गांव के पास नाले में एक महिला का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई। पानी में पड़ा रहने के कारण शव फूल गया था। मृतका के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने आशंका जताई कि महिला की मौत दो दिन पूर्व हुई है।

घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के नगला हुकुम सिंह गांव में चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात वह नगदी पर हाथ साफ कर दिया। ग्राम नगला हुकुम सिंह निवासी नितेश ने बताया कि उनकी बेटी की मृत्यु हो गई थी। उसके क्रिया कर्म के लिए वह परिवार सहित बाहर गए हुए थे। दो दिन बाद जब वह घर लौटे तो उन्हें घर का ताला टूटा हुआ व सामान बिखरा हुआ मिला। उन्होंने जब जांच पड़ताल की तो पता चला कि घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात व कुछ रुपए गायब है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

प्राधिकरण के सीईओ ने तेज की पहल, चौड़ी होगी सड़क, 2200 पेड़ों को भी हटाया जाएगा

बिना रूके चिल्ला बॉर्डर से महामाया तक फर्राटा भरेंगे वाहन!

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-14 प्रवेश द्वार चिल्ला बॉर्डर से महामाया फ्लाईओवर तक लगने वाले जाम से निजात की पहल तेज कर दी है। यहां सड़क के दोनों ओर एक-एक लेन को बढ़ाया जाएगा। वहीं इस कवायद में आड़े आ रहे 2200 पेड़ों को भी हटाने या शिफ्ट करने पर मंथन चल रहा है।

नोएडा एक्सप्रेस-वे के रास्ते गुजरने वाले 1 लाख वाहनों को रोजाना सेक्टर-14 प्रवेश द्वार (चिल्ला बार्डर) से महामाया फ्लाई ओवर तक आने जाने में जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। ये दूरी करीब 4 किमी की है। दोनों तरफ का पैच करीब 8 किमी का है। यहां दोनों तरफ एक-एक लेन को बढ़ाया जाएगा। इसके तहत सेक्टर-14 ए व 15ए के बाहर बने फुटपाथ की चौड़ाई का कम किया जाएगा, जिससे सड़क की चौड़ाई को बढ़ाया जा सके। सेक्टर-14 चिल्ला बार्डर से महामाया फ्लाई ओवर तक तीन तीन लेन की सड़क है, सड़क की चौड़ाई को कैसे बढ़ाया जाएगा। इसको लेकर (शेष पृष्ठ-3 पर)

10 मिनट की दूरी तय करने में लग रहे 30 मिनट

"दिल्ली से यूपी के मुख्य शहर नोएडा, ग्रेटरनोएडा, आगरा, बुलंदशहर, लखनऊ तक जाने के लिए लोग चिल्ला बार्डर से सीधे महामाया फ्लाईओवर पार कर एक्सप्रेस-वे जाते है। चिल्ला बार्डर से एक्सप्रेस वे तक पहुंचने में उन्हें महज 10 मिनट का समय लगना चाहिए। लेकिन यहां बॉटलनेक के चलते 10 मिनट की दूरी तय करने में 30 मिनट तो कभी कभार एक घंटे तक लग रहे है। पीक आवर में यहां कई किलोमीटर लंबा जाम भी झेलना पड़ रहा है।

बाधक 2200 पेड़ हटेंगे या शिफ्ट होंगे

सेक्टर-14ए प्रवेश द्वार से महामाया फ्लाई ओवर के नीचे तक चार-चार किलोमीटर सड़क के दोनों ओर एक एक लेन बनाई जाएगी लेकिन लेन बढ़ाने में छोटे व बड़े करीब 2200 पेड़ बाधक बन रहे है, जिन्हें सड़क किनारे से हटाया या शिफ्ट किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी शुरू हो गए है। जल्द ही वन विभाग से अनुमति लेकर इस कार्य को शुरू किया जाएगा।

जहर खुरानी गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने जहर खुरानी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी के दो ई-रिक्शा व 7 बैटरियां बरामद हुई हैं। पकड़े गए आरोपियों के दो साथियों को पुलिस ने बीते दिनों मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की चोरी के ई रिक्शा लेकर एक चोर चोरी के माल को ठिकाने लगाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने हैबतपुर टी पॉइंट के पास चेकिंग शुरू कर दी इस दौरान महागुण मार्ट की तरफ से आ रहे एक ई-रिक्शा सवार को पुलिस ने रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर ई रिक्शा चालक भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए ई-रिक्शा चालक ने अपना नाम लियाकत अली पुत्र फैज मोहम्मद निवासी हर्ष विहार मंडोली दिल्ली बताया। लियाकत अली ने बताया कि उसके साथी रियासत उर्फ भूरा और मोहम्मद दानिश ने उसे यह ई-रिक्शा दिया था। उसके दोनों साथी उसे चोरी के समान को रखने के लिए देते थे (शेष पृष्ठ-3 पर)

‘राष्ट्रीय बाल पुरस्कार’

कुदरत के खेल भी निराले हैं। व्यक्ति के लिये एक रास्ता बंद करती है सौ रास्ते खोल भी देती है। लौकिक दृष्टि लेती है तो अलौकिक दृष्टि दे देती है। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जनपद के नावदी गांव की गरिमा ने इस बात को साबित किया। जब नौ साल पहले गरिमा पैदा हुई तो दृष्टिबाधित थी। यह महसूस किया जा सकता है कि एक बेटी के दृष्टिबाधित पैदा होने पर माता-पिता किन मनःस्थितियों से गुजरते हैं। लेकिन आज उसी परिवार ही नहीं, पूरे गांव को इस बेटी पर गर्व है क्योंकि उसने परिवार-गांव को राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया है। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उसे प्रधानमंत्री का ‘राष्ट्रीय बाल पुरस्कार’ प्रदान किया। वह भी ज्ञान का उजाला फैलाने के लिये। दरअसल, गरिमा को यह सम्मान वंचित समाज के बच्चों को उनकी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर शिक्षा के लिये प्रेरित करने के लिये दिया गया। वाकई कुदरत कमाल करती है। दृष्टि से वंचित गरिमा यह कार्य महज तीन साल की उम्र से कर रही है। गरिमा को दृष्टि नहीं मिली लेकिन मानवीय अंतर्दृष्टि मिली। दो नेत्र नहीं मिले तो उसने ज्ञान का तीसरा नेत्र खोल दिया। कितनी समझ होती है तीन साल के बच्चे को। वह अपने बारे में अच्छे से नहीं सोच पाता, समाज की कहां सोच पाएगा। उसके जीवन में यह परिवर्तन कैसे आया और कैसे गरिमा ने गरीब बच्चों को स्कूल भेजने के लिये प्रेरित करना शुरू किया? इस सवाल के जवाब में गरिमा की मां सीमा यादव कहती हैं कि एक बार जब यह तीन साल की थी, एक महिला भिखारी घर पर कुछ मांगने आई थी। उसके साथ एक छोटी बच्ची थी और वह रो रही थी। गरिमा ने मां से सवाल किया कि वह बच्ची क्यों रो रही है? वह स्कूल क्यों नहीं जाती? तब मां ने बताया कि वे गरीब हैं अतः स्कूल नहीं जा सकती। उस घटना ने संवेदनशील गरिमा को गरीब बच्चों को स्कूल जाने के लिये मदद करने व प्रेरित करने का मन बनाया। वह तब से पिता के सहयोग से झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को पढ़ाने व पाठ्य सामग्री देने के प्रयास में लग गई। आज हमारे समाज में तमाम लोग छोटी-छोटी बातों में निराश होकर अवसाद में चले जाते हैं। जीवन तक खत्म कर लेते हैं। उन्हें गरिमा का हौसला व रचनात्मकता देखनी चाहिए। वह अपने जीवन का अंधेरा भूलकर ज्ञान बांटने के ऋषिकर्म में लगी है। वह एक साक्षर पाठशाला चलाती है। करीब एक हजार गरीब बच्चों को पाठ्य सामग्री आदि वितरित करके वह उनसे जुड़ चुकी है। वैसे गरिमा की इस सफलता में उनके पिता डॉ. नरेंद्र, जो खुद एक शिक्षक हैं, की भी प्रेरणा शामिल है। उसके पिता बताते हैं कि बेटी जिस अवस्था में पैदा हुई, उसे देखकर डॉक्टरों ने कुछ न हो पाने की स्थिति में बेटी को पढ़ाने-लिखाने की बात कही। लेकिन दृष्टिबाधिता के बावजूद उसका हौसला, संवेदनशीलता और उत्साह गजब का रहा। उसने लैपटॉप सीखा और खास सॉफ्टवेयर की मदद से अपना ज्ञान बढ़ाया। वह चौथी क्लास में पढ़ती है। लैपटॉप पर हिंदी-अंग्रेजी में काम करती है और मैडम को अपना काम मेल से भेज देती है। उत्साहवर्धक बात यह है कि वह सामान्य बच्चों के स्कूल जाती है। परिजन उसे स्कूल के गेट पर छोड़ आते हैं और वह खुद ही दूसरी मंजिल स्थित कक्षा में पहुंचती है। गरिमा, उसके परिवार और गांव के लिये 22 जनवरी गौरव का दिन था जब राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया। वह राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री से भी मिली। 26 जनवरी को अन्य क्षेत्रों में पुरस्कृत बच्चों के साथ शान से कर्तव्यपथ पर निकली। उल्लेखनीय है कि ये पुरस्कार असाधारण योग्यता व उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये बच्चों को सात श्रेणियों में दिये जाते हैं। गरिमा को ये पुरस्कार सामाजिक कार्यों में योगदान के लिये दिया गया। प्रत्येक विजेता बच्चे को सम्मान स्वरूप एक पदक, प्रमाणपत्र और एक प्रशस्ति पुस्तिका दी जाती है। बहरहाल, गरिमा इस पुरस्कार से प्रफुल्लित है और आगे साक्षर पाठशाला के मिशन में ज्ञान की रोशनी बांटने के लिये इसे ऊर्जा मान रही है। दरअसल, गरिमा की सोच रही है कि शिक्षा बच्चे का मौलिक अधिकार है। हर बच्चे को शिक्षा मिले। गरीबी व अन्य परिस्थितियों के कारण जो बच्चे पढ़ नहीं पाते, उन्हें शिक्षा पाने के लिये मौका देकर प्रेरित किया जाना चाहिए। गरिमा ‘साक्षर पाठशाला’ में शामिल होने के लिये बच्चों को प्रेरित करती है। वह स्लम एरिया में जाकर बच्चों में कायदा, पेन, पेंसिल, गुब्बारे, टॉफी बांटकर स्कूल की अच्छाइयों से अवगत कराती है। इस काम में उसके पिता भी मदद करते हैं। उसकी इस सफलता से उसके गांव नावदी के लोग भी खासे खुश हैं कि उनके गांव की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हुई है। वे मान रहे हैं कि बेटी के भीतर की मेधा, प्रज्ञा और विवेक ने छोटी उम्र में उसे राष्ट्रीय स्तर की ख्याति दिलाई है। वह अपनी आंतरिक क्षमताओं से वंचित समाज के लोगों का जीवन संवारेगी। उसकी उपलब्धि को जनपद महेंद्रगढ़ के प्रशासन ने भी हाथों-हाथ लिया है। राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद जिला उपायुक्त ने गरिमा को ‘मेरी लाडो, मेरी शान’ कार्यक्रम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

चुनावों से पहले ही खरगे के बयानों से कांग्रेस की हताशा झलकने लगी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीती 29 जनवरी को भुवनेश्वर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ‘2024 लोकसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने का आखिरी मौका होगा। अगर इस चुनाव में भाजपा जीती तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश में दोबारा चुनाव नहीं होने देंगे। वे एक तानाशाह की तरह इस पर रोक लगाएंगे।’ कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से देश की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी की हताशा, निराशा और पराजय स्पष्ट झलकती है।

कांग्रेस अध्यक्ष जब यह कहते हैं कि मोदी दोबारा सत्ता में आए तो कोई चुनाव नहीं होगा। आपके पास मतदान का आखिरी मौका है। ऐसा बयान देते समय शायद खड़गे अपनी ही पार्टी का चरित्र, आचरण, कृत्य और इतिहास भूल जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में लगभग छह दशक कांग्रेस ने देश की सत्ता को संभाला। इस कालावधि में उसने लोकतंत्र को कमजोर और कलंकित करने के एक नहीं कई काम किये। कांग्रेस सरकार की तानाशाही रवैये और व्यवहार के किस्सों की भी कोई कमी नहीं है।

कांग्रेस ने 25 जून, 1975 को देश को इमरजेंसी के दलदल में धकेल दिया। इस दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। रातों रात लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए। कांग्रेस ने न सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं बल्कि सच के साथ खड़े पत्रकारों का भी दमन किया। विरोध की आवाज को दबाने के लिए पूरे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया। बड़े मीडिया संस्थानों तक के संपादकों को गिरफ्तार किया जा रहा था, उन पर पाबंदियां लगाई जा रही थीं। अलोकतांत्रिक रूप से बाबा साहब के संविधान में संशोधन किया गया। कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं को भी कमजोर किया।

खड़गे को याद करना चाहिए कि, मीसा कानून कौन लेकर आया था? मीसा में आपातकाल के दौरान कई संशोधन किए गए और इंदिरा गांधी की निरंकुश सरकार ने इसके जरिए अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने का काम किया। इंदिरा सरकार की अमानवीयता का आलम यह था कि दिल्ली और पश्चिमी यूपी के इलाकों में नसबंदी से इंकार करने वाले लोगों पर अत्याचार किया गया। पुलिस की गोलीबारी में कई लोग मारे गए। महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने की बातें करने वाली कांग्रेस को उनके विचारों से भी डर लगने लगा था। उस समय इंदिरा गांधी ने किशोर कुमार के गानों को बैन कर दिया था। आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस के काले कारनामों के बारे में जानकर हर कोई सन्न रह जाता है। केंद्र में विपक्ष में बैठी कांग्रेस लोकतंत्र की दुहाई देती है। लेकिन उसके शासित राज्यों में जिस तरह विपक्ष और मीडिया का दमन किया जाता है, उससे कहा जाता है कि समय बदल गया है, लेकिन कांग्रेस की आपातकालीन मानसिकता नहीं बदली है, वो आज भी

कांग्रेस के अलावा कई अन्य दल भी मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप जड़ते हैं। लेकिन उनके पास एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जिससे वो साबित कर सकें कि मोदी सरकार ने कौन-सा ऐसा काम किया है, जो तानाशाही की श्रेणी में आता है।

जारी है।

लोकतंत्र की दुहाई देने वाले कांग्रेस के नेता शायद भूल गए कि राजीव गांधी के जमाने में एक अखबार ने कुछ खिलाफ लिखा, तो उनके विरूद्ध ही मामला दर्ज कर दिया गया और संस्थान की बिजली तक काट दी गई थी। टेलीग्राफ एक्ट कौन लेकर आया था...? राजीव गांधी के जमाने में ही टेलीग्राफ एक्ट आया था, जिसके तहत सरकार आम लोगों के पत्र पढ़ सकती थी और कार्रवाई कर सकती थी। पीवी नरसिंहाराव ने पैसे देकर सरकार बनाई, कोर्ट में साबित हो गया था। लोकसभा का कार्यकाल इंदिरा गांधी ने बढ़ाया था। जब कांग्रेस नेता ‘इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इस इंडिया’ का नारा लगाते थे तो क्या उन्हें इस नारे में तानाशाही की बू नहीं आती थी? अनुच्छेद 356 का कांग्रेस ने किस तरीके से उपयोग किया है, ये काफी दिलचस्प है। कांग्रेस ने अपने शासन काल के दौरान अनुच्छेद 356 का प्रयोग करते हुए 91 बार गैर कांग्रेसी सरकारों को हटाने का काम किया। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने एक बार भी अनुच्छेद 356 का प्रयोग नहीं किया। अटल जी के नेतृत्व में राजग सरकार के 6 साल के कार्यकाल में राष्ट्रपति शासन 4 बार लगने की नौबत आई थी।

बीते पांच छह सालों में कांग्रेस शासित राज्यों में तानाशाही की वारदातें और करतूतें देशवासियों को याद हैं। राहुल गांधी की आलोचना करने पर कॉलेज के प्रोफेसर को बर्खास्त किया गया। राजीव गांधी के बारे में लिखने पर युवा बीजेपी नेता तेजिंदर सिंह बग्गा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। राहुल गांधी ने न्यायपालिका और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। सोनिया गांधी का बचपन का नाम लेने पर पत्रकार अर्णब गोस्वामी को गिरफ्तार कर उत्पीड़न किया गया। राहुल गांधी ने वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया। सोनिया और राहुल गांधी पर विज्ञापन देने वाली कांपनी के दफ्तर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस अपने इन कर्मों को किस श्रेणी में रखेगी?

इंडिया गठबंधन जिसमें कांग्रेस प्रमुख घटक दल है, ने 2023 में एक अभूतपूर्व क़दम उठाते हुए उन 14 टीवी एंकरों की एक सूची जारी की है, जिनके प्रोग्राम में उनका प्रतिनिधि नहीं जाएगा। ये जगजाहिर है कि टीवी एंकरों का बहिष्कार करने के पीछे पूरी रणनीति कांग्रेस की थी। गैर भाजपा शासित राज्यों में विपक्ष के राजनीतिक दलों के नेताओं-कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और आम जनता के साथ सरकारी तंत्र जिस तानाशाही रवैये से पेश आ रहा है, वो किसी से छिपा नहीं है।

कांग्रेस के अलावा कई अन्य दल भी मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप जड़ते हैं। लेकिन उनके पास एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जिससे वो साबित कर सकें कि मोदी सरकार ने कौन-सा ऐसा काम किया है, जो तानाशाही की श्रेणी में आता है। या जिससे लोकतंत्र का गला घुटा हो। मोदी सरकार के हर निर्णय पर विपक्ष को ऐसा लगता है कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है, या फिर लोकतंत्र खतरे में है। वास्तव में उन्हें विरोध के लिए विरोध करना है। उनके हाथ में न कोई मुद्दा है और न ही जनसमर्थन और जनविश्वास उनके साथ है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सामान्य आंतरिक आलोचना विरोध भले ही हो, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान जैसे सम्पन्न शक्तिशाली देश भारत के लोकतंत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका मान रहे हैं। चीन तक ने भारत की आर्थिक शक्ति को स्वीकारा है। इसका एक बड़ा कारण भारत में सरकार का स्थायित्व और बढ़ती जागरूकता, सामाजिक, आर्थिक, सामरिक ताकत है।

राजनीतिक विरोध का स्तर इतना गिर चुका है कि संविधान की शपथ लिए हुए कुछ नेता सड़क पर धरना-आंदोलन और संसद द्वारा पारित कानून के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के जरिये जनमत संग्रह तक की शर्मनाक मांग करने लगे हैं? दुनिया के किस देश में राज्यों में बैठे सत्ताधारी क्या इस हद तक अपनी ही राष्ट्रीय सरकार और नीतियों का विरोध करते हैं? कभी अपनी सेना को पेंशन के लिए भड़काते हैं, तो कभी सीमा पर उनकी क्षमता पर संदेह कर चीनी सेना के भारतीय सीमा में घुसे होने के आरोप लगाते हैं।

भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। आम भारतीय की लोकतंत्र के प्रति गहरी आस्था और विश्वास है। ऐसे में किसी नेता या राजनीतिक दल का यह सोचना कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है, विशुद्ध तौर पर राजनीतिक बयान लगता है। अगर भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करना तानाशाही है; अगर, देश को संविधान के मुताबिक चलाना तानाशाही है; अगर संवैधानिक संस्थाओं और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की मान मर्यादा कायम रखना तानाशाही है; अगर देश को सुधार के रास्ते पर लेकर जाना तानाशाही है; अगर भ्रष्टाचार पर नकेल कसना तानाशाही है; अगर देश की उन्नति के बारे में सोचना तानाशाही है; अगर देश के प्रति वफादारी निभाना और राष्ट्र प्रेम का प्रदर्शन तानाशाही है; अगर गरीबों, वंचितों और शोषितों का कल्याण तानाशाही है; अगर तुष्टिकरण की बजाय सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तानाशाही है तो मुझे ही नहीं हर सच्चे देशवासी को ये तानाशाही स्वीकार है। कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं को यह समझना चाहिए कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए उन्माद नहीं सही मुद्दों और समाज को जागरूक एवं शिक्षित करने की जरुरत होती है। वर्तमान में विपक्ष के नेता गलत जानकारी और भय का वातावरण बनाकर जनता को भ्रमित करते दिखाई देते हैं।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे गरुड़जी! श्री रामजी की कृपा और अपनी जड़ता (मूर्खता) की बात कहता हूँ, मन लगाकर सुनिए। जब-जब श्री रामचंद्रजी मनुष्य शरीर धारण करते हैं और भक्तों के लिए बहुत सी लीलाएँ करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तब तब अवधपुरी मैं जाऊँ। बालचरित बिलोकि हरषाऊँ॥
जन्म महोत्सव देखउँ जाई। बरष पाँच तहँ रहउँ लोभाई॥

तब-तब मैं अयोध्यापुरी जाता हूँ और उनकी बाल लीला देखकर हर्षित होता हूँ। वहाँ जाकर मैं जन्म महोत्सव देखता हूँ और (भगवान की शिशु लीला में) लुभाकर पाँच वर्ष तक वहीं रहता हूँ॥

इष्टदेव मम बालक रामा। सोभा बपुष कोटि सत कामा॥
निज प्रभु बदन निहारि निहारी। लोचन सुफल करउँ उरगारी॥

बालक रूप श्री रामचंद्रजी मेरे इष्टदेव हैं, जिनके शरीर में अरबों कामदेवों की शोभा है। हे गरुड़जी! अपने प्रभु का मुख देख-देखकर मैं नेत्रों को सफल करता हूँ॥

लघु बायस बपु धरि हरि संगा। देखउँ बालचरित बहु रंगा॥

छोटे से कौए का शरीर धरकर और भगवान के साथ-साथ फिरकर मैं उनके भाँति-भाँति के बाल चरित्रों को देखा करता हूँ॥

दो0-लरिकाईं जहँ जहँ फिरहिं तहँ तहँ संग उड़ाउँ।
जूठनि परइ अजिर महँ सो उठाई करि खाउँ॥

लड़कपन में वे जहाँ-जहाँ फिरते हैं, वहाँ-वहाँ मैं साथ-साथ उड़ता हूँ और आँगन में उनकी जो जूठन पड़ती है, वही उठाकर खाता हूँ॥

एक बार अतिसय सब चरित किए रघुबीर।
सुमिरत प्रभु लीला सोइ पुलकित भयउ सरीर॥

एक बार श्री रघुवीर ने सब चरित्र बहुत अधिकता से किए। प्रभु की उस लीला का स्मरण करते ही काकभुशुण्डिजी का शरीर (प्रेमानन्दवश) पुलकित हो गया॥

क्रमशः

नई जागृति की तलाश

बूढ़ा हो जाने के बाद आदमी कितनी सफाई से झूठ को सच बनाकर बोल लेता है। लगता है इतना बूढ़ा हो गया है। सच ही कह रहा होगा। हो सकता है वास्तव में इसने जीवन में इतनी ही उपलब्धियां हासिल कर ली हों! इसका जीवन एक शाहकार बन कर गुजरा हो। वास्तव में क्यों न इसकी बात मान ही लो कि दुनिया में सबसे अकलमंद गदहा होता है, और सबसे सुखी जीव सुअर है। जो बात एक बूढ़े होते आदमी के लिए सही है, वही बात एक बूढ़े हो गए देश के लिए भी सही है। एक झूठ को दस बार सच कह कह दुहरा दो, तो वह वास्तव में सच ही लगने लगता है। हम अपने देश की रगों में दौड़ते उद्दाम यौवन की कल्पना करते हैं, तो लगता है वास्तव में देश बुढ़ापा त्याग फिर से जवान हो उठा। काव्य पंक्तियां क्यों दुहराएं कि ‘बूढ़े भारत की रगों में फिर से आई नई जवानी थी।’ इसी से लगता है सैकड़ों बरस पुराने भारत के जीर्ण-शीर्ण मूल्य खंडित हो गए। नए मूल्यों ने, नए बदलाव ने फिर जन्म ले लिया। देश चिरयुवा हो उठा चिल्ला-चिल्ला कर उठाए गए नारे एक नया सच बन कर उभर आए। तुम कहते हो भूख, बेकारी और महंगाई बढ़ गई। अरे महसूस तो करो, तुम्हारी भूख मिट गई। देश खुल गया है, बेकार हाथों को काम मिल गया। और महंगाई की दिक्कत की बात न करना। आर्थिक विकास दर के गिर कर ऋणात्मक होने की बात न करना, सकल घरेलू उत्पादन में रिकार्ड कमी आई, इसकी बात न करना। मौन रहो। तालियां बजाना सीखो। हमने बता तो दिया है कि कोरोना का भय कब का खत्म हो गया है। देश की आर्थिक गतिविधियां तेजी से चल रही हैं।

महाचुनावों से पहले-पहले अब आर्थिक विकास दर भी बढ़ेगी, सकल घरेलू उत्पादन की कमी दूर हो जाएगी। बस थोड़ा सा धीरज रखने का इंतजार करने की जरूरत है, सब सही हो जाएगा, अच्छे दिन लौट आएंगे। बस यही तो तुम इस देश के लोग कर नहीं पाते। प्रशासन को भला-बुरा कहने लगते हो। भाई जान, बस तीन बरस की तो बात है। इसके बाद महाचुनाव होंगे। हमारे भाल फिर से तिलक लगा देना। ऐसी-वैसी महामारियों को तो तम हम यूं ही पस्त कर देंगे। अभी तुम नौकरियों के पीछे भागते हो, फिर नौकरियां हाथ बांध कर तुम्हारे पीछे-पीछे चली आएंगी। हमने अच्छे दिन लाने का वायदा कर रखा है। ये अवश्य मिलेंगे, बस सत्ता की गद्दी पर जमने का हमें स्थायी मौका दे दो, इस देश के महाभ्रष्टाचारी और रिश्वतखोर होने का कलंक हटा कर दम लेंगे। अभी भ्रष्टाचार सूचकांकों ने बताया कि यह नहीं मिटा, बल्कि भ्रष्ट आचरण का रोग कुछ और गंभीर हो गया। चिंता न करो, इसे मिटाने के हमारे गम्भीर प्रयास जारी हैं। हर बड़ी और अच्छी चीज घटने में वक्त लगता है, हमें और हमारे कुनबे को वक्त दो, और तुम हम पर कुनबापरस्ती के आरोप न लगाओ। अब देखो न तुम लोग पैट्रोल, डीजल और ईंधन गैस की आकाश छूती कीमतों की प्रताड़ना का विरोध कर रहे थे, वो भी कम हो तो गईं। दुनिया भर में इसकी कीमतें बढ़ रही हैं, फिर कम्पनियों के प्रॉफिट मारजिन और केन्द्र एवं राज्यों के कर स्रोतों को बना कर रखना भी जरूरी है। आगे चलकर इसका भी विकल्प ला रहे हैं, विद्युत कारों की भरमार कर देंगे, जो पैट्रोल और डीजल कारों की जगह लेंगी। मांग घटेगी, सब सस्ता हो जाएगा।

समझ लो समस्याओं का समाधान विकल्प के अलादीन का चिराग करता है। अब किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी तो निजी खुली मंडियों का विकल्प दिया ही है। अजी असल काम तो नई समझ, नव जागरण पैदा करने की है। अच्छे दिन तो बाद में आते ही रहेंगे।

-सुरेश सेठ

राशिफल

माघ कृष्ण- सप्तमी | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक लाभ, पिता का साथ, स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा, रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा, स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं, चोट-चपेट लग सकती है, किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आनंदित रहेगा। जीवन, स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम-संतान की स्थिति लगभग ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे, रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा, प्रेम-संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक होकर मत निर्णय लीजियेगा, महत्त्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि,भवन,वाहन की खरीदारी संभव है, लेकिन गृह कलह भी संभव है। स्वास्थ्य ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृण होगी। जो भी आपने सोच समझ कर के डिजाईन कर रखा है उसको लागू करें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्या साथ दे रहा है, स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार अच्छा पर धन हानि के संकेत हैं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे, स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान बहुत बढ़िया, व्यापार भी बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मन चिंतित रहेगा, खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी, स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापिस मिलेगा। कुछ नए स्त्रोत से भी रुपये-पैसेआयेंगे।

ग्रेनो प्राधिकरण ने तुस्याना में अवैध अतिक्रमण हटाया

40 हजार वर्ग मीटर एरिया पर बने अवैध निर्माण को तोड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम तुस्याना की अधिसूचित जमीन पर बन रहे अवैध निर्माण को तोड़ दिया। प्राधिकरण की टीम ने करीब 40 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई है, जिसकी कीमत करीब 80 करोड़ रुपये होने का आकलन है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि गांव तुस्याना प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में है। कुछ कालोनाइजर गांव की जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे थे। वे कालोनी काट रहे थे। परियोजना विभाग के वर्क सर्किल तीन के मैनेजर मनोज कुमार के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम ने स्थानीय सुरक्षाकर्मियों के साथ बृहस्पतिवार सुबह मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को ढहा दिया।

टीम ने करीब 40000 वर्ग मीटर जमीन मुक्त करा लिया है। 5 जेसीबी और एक डंफर का इस्तेमाल कर यह कार्रवाई की गई। ओएसडी ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने हर वर्क सर्किल को अपने एरिया में जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए कड़ी नजर रखने और अतिक्रमण की सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण कर जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो प्राधिकरण ने डाढ़ा में छह प्रतिशत भूखंड के लिए पात्रता तय करने को लगाया शिविर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जमीन देने वाले डाढ़ा गांव के किसानों की छह फीसदी भूखंड प्राप्त करने की पात्रता तय करने के लिए बृहस्पतिवार को शिविर का आयोजन किया गया। 50 से अधिक किसानों ने शिविर में आकर अपनी पात्रता निर्धारित करने से जुड़े दस्तावेज सौंपे। प्राधिकरण इनकी पात्रता तय करते हुए भूखंड आवंटित करेगा। अब दो फरवरी को सिरसा गांव में शिविर लगाया जाएगा। इसके साथ ही इस शिविर में एसआईटी जांच के बाद प्राप्त सही प्रकरणों में लीज बैक करने के लिए किसानों ने आवेदन किए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण विकास परियोजनाओं के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहित करता है और उसके एवज में प्राधिकरण की तरफ से कुल अधिग्रहित जमीन का 06 फीसदी हिस्सा विकसित करके

● ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर गांवों में लग रहे शिविर

किसानों को देता है। इसकी पात्रता तय करने के लिए किसानों को प्राधिकरण आना पड़ता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने किसानों को सुविधा प्रदान करते हुए छह फीसदी भूखंड प्राप्त करने की पात्रता तय करने के लिए गांवों में ही शिविर लगाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को डाढ़ा गांव में शिविर लगाया। प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि भूलेख विभाग और परियोजना विभाग के वर्क सर्किल 8 की टीम सुबह करीब 11 बजे से डाढ़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची।

टीम ने शिविर में आने वाले 50 से अधिक किसानों के छह फीसदी भूखंड के कागजात प्राप्त किए। शिविर में ही लीज बैक के सही प्रकरणों के आवेदन भी प्राप्त किए गए। किसानों ने गांवों में ही शिविर लगाने के पहल की सराहना की है। इस शिविर में गांव से जुड़ी अन्य शिकायतों को भी सुना गया। उनको निस्तारित करने का आश्वासन दिया गया है। इस शिविर में ओएसडी हिमांशु वर्मा के साथ ही ओएसडी रजनीकांत पांडेय, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

बड़े भाई पर लाठी से हमला, हाथ तोड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े में बीच बचाव करना बड़े भाई को खासा महंगा पड़ा। गुस्साए छोटे भाई ने अपने बड़े भाई के साथ मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया। पीड़ित की पत्नी ने थाना सूरजपुर में अपने देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम साकीपुर निवासी विनीता सिंह ने बताया कि बीते दिनों उनका देवर अंकित उर्फ रितिक अपनी पत्नी के साथ झगड़ा और मारपीट कर रहा था। उसका पति सोनू उर्फ जीतपाल झगड़ा होता देखकर बीच बचाव करने के लिए चला गया इस दौरान अंकित उर्फ रितिक ने लाठी से अपने बड़े भाई सोनू उर्फ जीत पाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। गुस्साए अंकित ने सोनू के साथ जमकर मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। आस-पड़ोस के लोगों ने किसी तरह झगड़े को शांत कराया इसके बाद सोनू को अस्पताल ले जाया गया अस्पताल में जांच के दौरान पता चला कि सोनू के बाएं हाथ की हड्डी टूट गई है और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं। विनीता सिंह के मुताबिक उसका देवर अंकित आए दिन उसे तथा परिवार को जान से मारने की धमकी देता है जिससे पूरा परिवार भयभीत है।

सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य के लिए जांच शिविर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कॉन्ट्रैक्टर्स के अधीन सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए प्राधिकरण की तरफ से प्रशिक्षण और जांच शिविर का आयोजन किया गया। करीब 50 स्वास्थ्य कर्मियों ने स्वास्थ्य की जांच कराई और प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में सफाईकर्मियों को खुद के स्वास्थ्य की देखरेख करने के टिप्स दिए गए। साथ ही गीला व सूखे कूड़े को सेग्रिगेट करने की भी सीख दी।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए शिविर व ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर 19 जनवरी, 22 जनवरी, 24

जनवरी, 27 जनवरी और फिर 31 जनवरी को प्राधिकरण तथा अलग-अलग संस्थाओं ने मिलकर शिविर लगाए। अंतिम शिविर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और एचसीएल फाउंडेशन ने मिलकर आयोजित किया। एचसीएल फाउंडेशन की तरफ से नुक्कड़ नाटक कराया गया और पीपीई किट भी वितरित की गईं।

प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है ग्रेटर नोएडा और यहां के नागरिकों को स्वस्थ रखने में सफाईकर्मियों का रोल सबसे अहम है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना, हम सभी की जिम्मेदारी है। प्राधिकरण की पहल पर स्वास्थ्य शिविर लगाये गए। इस तरह के प्रयास आगे भी किए जाएंगे।

शिविर के आयोजन के दौरान प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, ओएसडी विशु राजा, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, ईएंडवाई के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गाय पर टोना-टोटका, बंधे थे पैर

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर गांव में रहने वाले एक व्यक्ति की गाय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गाय के पैर बंधे हुए थे तथा खून पड़ा हुआ था। पशुपालक ने गाय पर टोना टोटका किए जाने का अंदेशा जताते हुए थाना सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम सलारपुर निवासी सुखबीर भाटी ने बताया कि वह दूध का व्यापार करता है। इस कारण उसने अपने घर पर गाय और भैंस पाल रखे हैं। सुबह जब वह पशुओं को चारा डालने के लिए अपने घेर में गया तो उसे एक गाय के पैर रस्सी से बंधे हुए मिले। गाय के पीछे की तरफ खून पड़ा हुआ था।

गाय की गंभीर हालत को देखकर उसने तुरंत चिकित्सक को मौके पर बुलाया उपचार के बावजूद गाय की मौत हो गई। सुखबीर भाटी ने पुलिस से की शिकायत में अंदेशा जताया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी गाय पर टोना टोटका किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

लड़कियों की शादी की...

धामी सरकार ने यूसीसी के लिए 27 मई 2022 को पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। ड्राफ्ट मिलने के बाद अब सरकार इसे कल होने वाली कैबिनेट में मंजूरी देगी। माना जा रहा है कि धामी सरकार 6 फरवरी को यूसीसी को विधेयक के रूप में विधानसभा में पेश कर सकती है। उत्तराखंड सरकार यूसीसी को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

देहरादून में यूसीसी कार्यालय पिछले तीन दिनों से प्रतिदिन 15 घंटे से अधिक काम कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि मसौदे में 400 से अधिक धाराएं शामिल हो सकती हैं, जिसका लक्ष्य पारंपरिक रीति-रिवाजों से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को खत्म करना है।

11 लुटेरों पर...

उन्होंने बताया कि गैंग लीडर कोमल रवि शर्मा सचिन तमिजुद्दीन मोहम्मद फारूक शफकत तथा तौफीक के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। सातों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट का उपयोग पंजीकृत किया गया है।

सदन में गूंजा...

सुदृढ़ कानून व्यवस्था और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से निवेशक प्रदेश में आने के लिए लालायित हैं। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार ने एक जिला एक उत्पाद योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपराधों के नियंत्रण के लिए मजबूत कानून व्यवस्था, बिजली सप्लाई में निरंतरता पर खास ध्यान दिया है जिससे कि प्रदेश में उद्योगों को बड़ी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश तेज गति से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जल्द ही प्रदेश पांच हवाईअड्डों वाला प्रदेश बन जाएगा। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में अयोध्या में चल रही विकास योजनाएं गिनाई। उन्होंने कहा कि इन विकास परियोजनाओं से दिव्य व भव्य अयोध्या दुनिया के सामने आ रही है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुर्नस्थापना हुई है उन्होंने कहा कि दीपोत्सव ने अयोध्या को नई पहचान दी है और अब प्राण प्रतिष्ठा के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु नगर आ रहे हैं।

अभिभाषण के दौरान लगातार हो रहे हंगामे से नाराज होकर राज्यपाल ने कुछ देर के लिए अभिभाषण बंद कर दिया और विपक्ष के सदस्यों की तरफ देखकर कहा कि ... और शोर मचाइए...। इसके बाद अभिभाषण पढ़ना जारी रखा। विपक्ष के सदस्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए लगातार सदन में नारेबाजी कर रहे हैं।

सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायक लगातार हंगामा और शोरशराबा करते रहे और राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगा रहे थे। इस पर राज्यपाल ने भी जवाब दिया और कहा कि कौन चला जाएगा... ये बाद में पता चलेगा। मैं तो जाने वाली नहीं...। इसके बाद उन्होंने अपना अभिभाषण पढ़ना जारी रखा। राज्यपाल के जवाब देने से भाजपा सदस्य भी उत्साहित हो गए और एक स्वर में उनका समर्थन किया।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के अंत में कहा कि प्रदेश सरकार अपनी योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए प्रदेश में रामराज्य स्थापित करने में सफल रही है। प्रदेश में दो बार हुई इंवेस्टर्स समिट, जी20, विश्वकप 2023 के आयोजन के साथ ही प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ है जिसने दुनिया के सामने प्रदेश की एक नई छवि रखी है।

राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है। इसके लिए प्रत्येक जिले में खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को अलग-अलग सेवाओं में नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है।

घरों में कॉमर्शियल...

संध्या सिंह, सहायक प्रबंधक हरिंदर सिंह, नियोजन विभाग की प्रबंधक गरिमा सिंह, विधि विभाग से सुनील त्यागी, संघमित्रा आर्य, हौशियार सिंह आदि की टीम आज सुबह अंसल गोल्फ लिंक-1 पहुंची। टीम ने पहले से ही चिन्हित किए गए ऐसे मकानों को सील करना शुरू किया जिनमें व्यवसायिक गतिविधियां चल रही थी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा इन भवनों के स्वामियों को पूर्व में ही नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद भी इन्होंने व्यावसायिक गतिविधियां बंद नहीं की थी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर में ऐसे 88 भवनों की सूची पूर्व में तैयार की थी जिनमें पीजी, रेस्टोरेंट, होटल, गेस्ट हाउस चल रहे थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने पूर्व में 32 भवनों को सील कर दिया था। उस दौरान कुछ लोगों ने नोटिस न मिलने की बात कहकर प्राधिकरण अधिकारी को समक्ष अपनी आपत्ति जताई थी। इसके बाद प्राधिकरण अधिकारियों द्वारा उन्हें नोटिस भेजे गए। नोटिस देने के बाद भी भवन स्वामियों ने अपने यहां चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को बंद नहीं किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों ने व्यवसायिक गतिविधियां चलाने वाले भवन स्वामी को खिलाफ एक बार फिर अभियान छेड़ दिया है। समाचार लिखे जाने तक पांच मकानों में सीलिंग की कार्रवाई की गई।

तेज रफ्तार कार ने...

बीती रात्रि पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-142 के पास एक्सप्रेस वे पर कार ने ऑटो में टक्कर मार दी है। इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं मौके पर पहुंचे पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा है। यहां चिकित्सकों ने ऑटो चालक निजामुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में घायल अमित गुप्ता का अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज गति में आ रही कार का चालक नियंत्रण खो बैठा था और उसने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी थी जिस कारण ऑटो के भी परखच्चे उड़ गए।

वहीं थाना दनकौर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक चालक ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। इस कारण पीछे से आ रहा दूसरा ट्रक उससे भिड़ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीछे वाले ट्रक के ड्राइवर केबिन के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दनकौर पुलिस ने घायल ड्राइवर को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान ड्राइवर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जींद हरियाणा निवासी जगसीर के रूप में हुई है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

दहेज के लिए बहू...

उसने जब इस बात से इनकार किया तो उसके पति और सास का व्यवहार उसके प्रति क्रूर व आक्रामक हो गया। छोटी-छोटी बातों पर उसे मानसिक रूप से यातना देने शुरू कर दी गई। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति ने धमकी दी कि अगर वह मायके से कर लेकर नहीं आई तो उसकी हत्या कर दी जाएगी। इस दौरान वह गर्भवती हो गई जिसकी जानकारी मिलने पर उसकी सास उसे जबरन एक प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गई और उसका गर्भपात करा दिया। उसके बाद उसके पति ने उसके तमाम जेवरात अपने पास रखकर उसे मायके भेज दिया। पीड़िता की शिकायत पर थाना ईकोटेक तीन पुलिस ने दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

वहीं थाना बीटा दो में अलीगढ़ निवासी रीना (काल्पनिक नाम) ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। रीना ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके माता-पिता नहीं थे। इस बात का फायदा उठाकर संजय उर्फ सूरज ने उससे शादी कर ली। शादी के बाद उसे एक बेटी पैदा हुई जिसके संजय तथा ससुर शिवराज सिंह सास सरोज देवी, ननद मुस्कान खुश नहीं हुए। बेटी होने के बाद उसे पर मायके से दहेज में बाइक व 3 लाख रुपए नगद लाने का दबाव डाला जाने लगा। इसके इनकार करने पर उसके साथ आए दिन मारपीट की जाने लगी पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान वह पुनः गर्भवती हुई जिसके बाद संजय तथा उसके परिवार वाले उसे डॉक्टर के पास लेकर गए। डॉक्टर के यहां से वापस आने पर संजय व उसके परिजनों ने उसके साथ मारपीट करते हुए पेट पर लात घूंसों से प्रहार किया जिससे उसका गर्भपात हो गया।

रीना का आरोप है कि उसके पति संजय के कई लड़कियों से भी अवैध संबंध हैं। इस बारे में उसने पूर्व में पुलिस से भी शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्राधिकरण के गेट...

जिसमें 81 गांवों के हजारों किसान महापंचायत में मौजूद हैं। जिसमें सैकड़ों महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपना हक हासिल किए बिना अब किसान प्राधिकरण का काम काज नहीं होने देंगे। उनका कहना है कि शीर्ष अधिकारी किसानों को महज अश्वासनों की लालीपॉप दे रहे हैं। उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर शीर्ष अधिकारी गंभीर नहीं हैं। जनप्रतिनिधि भी अपने कानों पर तेल डाले बैठा है। ऐसे में प्राधिकरण के कामकाज को ठप्प करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब वे अपना हक लेकर रहेंगे।

छठी मंजिल से कूदकर...

पड़ताल की जा रही है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि महिला पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान थी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल कर रही है।

बिना रुके चिल्ला बॉर्डर...

प्राधिकरण कार्यालय में लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पहले प्रोजेक्ट में कंपनी में तीन ऑप्शन दिए थे। इसी में से लेन बढ़ाने वाले विकल्प को चुना गया है। टीपीए इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को कंसलटेंट के रूप में चयनित कर सड़क का सर्वे भी कराया गया, जिसमें समस्या से निजात के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया।

प्राधिकरण ने तय किया कि महामाया फ्लाईओवर से सेक्टर-14ए स्थित प्रवेश द्वार तक सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए फुटपाथ को खत्म कर और पेड़ों को हटाकर या शिफ्ट कर एक लेन को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन सेक्टर-14ए स्थित प्रवेश द्वार से महामाया फ्लाईओवर तक सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए अधिकारियों को मशक्कत करनी पड़ रही थी। क्योंकि दूसरी तरफ जगह का विकल्प नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में सेक्टर-14ए और सेक्टर-15ए के बाहर सड़क किनारे साढ़े तीन मीटर चौड़ा फुटपाथ है, जो किसी काम में नहीं आ रहा था। इसे भी चौड़ीकरण में शामिल किया जाएगा।

दिल्ली से डीएनडी होकर लूप के जरिए एक्सप्रेस वे पर जो ट्रैफिक जाता है। वो लूप से उतरते ही जाम का कारण बनता है। इसके अलावा सेक्टर-18 से दिल्ली जाने के लिए फ्लाईओवर से उतरते ही बॉटलनेक बनता है। वहीं दूसरी तरफ से एक्सप्रेस वे के जरिए ग्रेनो से आते समय सेक्टर-18 की ओर चढ़ने वाला लूप, दलित प्रेरणा स्थल के सामने आदि स्थान शामिल हैं। यहां अक्सर जाम की समस्या रहती है। जिसको दूर किया जाएगा।

जहर खुरानी गिरोह...

उसने चोरी का कुछ सामान भविष्य इंडिया टावर के पास छुपा कर रखा हुआ है। पुलिस टीम लियाकत अली के बताए गए स्थान पर पहुंची और वहां से एक ई रिक्शा तथा 7 बैटरियां बरामद की।

थाना प्रभारी ने बताया कि रियासत उर्फ भूरा और मोहम्मद दानिश को पुलिस ने बीते दिनों मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर ई-रिक्शा चालकों को बुलाकर उन्हें बेहोश कर देते थे और उसके बाद उनका ई-रिक्शा लेकर रफू चक्कर हो जाते थे।

11 लुटेरों पर लगाया गैंगस्टर

नोएडा (चेतना मंच)। सक्रिय बदमाशों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस लगातार उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। दो अलग-अलग थाना क्षेत्र की पुलिस ने लुटेरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के कार्रवाई की है। गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध किए गए बदमाश संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं।

थाना सेक्टर 24 प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि वीरेंद्र नदीम

सत्येंद्र तथा जीतू के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। चारों आरोपी अवैध हथियारों से लैस होकर लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपी सुनसान जगह पर लोगों को अपने वाहन में लिफ्ट देकर हथियारों के बल पर लूट लेते थे। चारों आरोपी संगठित गिरोह बनाकर वारदातों को अंजाम देते हैं उनके खिलाफ कई मुकदमे पंजीकृत हैं।

थाना ईकोटेक-3 प्रभारी सरिता सिंह ने बताया कि ओला उबर टैक्सी चालकों को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के साथ सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्राप्ण निविदा सूचना

ई-प्राप्ण निविदा सूचना संख्या 01/2023-24 दिनांक 20.02.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक वि.लो.शेड झाँसी द्वारा निम्नलिखित मद के लिए ई-प्राप्ण निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं.	निविदा सं	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	54235334C	250 नग	20.02.2024

विवरणः टॉगल स्विच 15 एम्पियर 250 वोल्ट फॉर जेडयलसी एज पर डीआरजी नं. CLW/AC/1109.100C फॉर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव WAG-5, WAG-7 & WAP-4

नोटः उपरोक्त ई-प्राप्ण निविदा का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 183/24 FA

North central railways | @CPRONCR | @northcentralrailway | www.ncr.indianrailways.gov.in

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

खास खबर

साय कैबिनेट ने महतारी वंदन योजना पर लगाई मुहर, महिलाओं को हर महीने मिलेंगे एक हजार रुपए

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में महतारी वंदन योजना पर मुहर लग गई। इस योजना के तहत विवाहित महिलाओं को 1000 रुपये का मासिक भत्ता दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनाव के दौरान राज्य में विवाहित महिलाओं को मासिक भत्ता देने का वादा किया था। बुधवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई। इस योजना का लक्ष्य महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करना, उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के साथ-साथ उनके सामाजिक स्टैंडर्ड को ऊपर उठाने के उद्देश्य से योजना के तहत उन्हें 1000 रुपये की मासिक राशि का भुगतान करने का वादा किया गया है। बैठक में तेंदूपत्ता पारिश्रमिक 4000 रुपये प्रति बोरा से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति बोरा करने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा कैबिनेट ने तेंदू पत्ता एकत्रित करने वालों की सामाजिक सुरक्षा योजना को भी मंजूरी दे दी। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने कहा, हमने राज्य में महतारी वंदन योजना शुरू करने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की एक और गारंटी पूरी की है। छत्तीसगढ़ की मूल निवासी विवाहित महिलाओं को भुगतान डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से किया जाएगा। योजना का लाभ उन विवाहित महिलाओं को मिलेगा जो छत्तीसगढ़ की निवासी हैं और 1 जनवरी, 2024 तक 21 वर्ष या उससे अधिक उम्र की हैं। इसके अतिरिक्त, मानदंडों (क्राइटेरिया) को पूरा करने वाली विधवाओं के साथ-साथ तलाकशुदा या परित्यक्त महिलाएं भी योजना के लिए पात्र होंगी। कैबिनेट ने मोटर वाहनों के लिए भारत सुरक्षा नंबर प्लेट के कार्यान्वयन को भी मंजूरी दे दी।

तमिलनाडु के दो और स्थानों को रामसर स्थल घोषित किया गया

चेन्नई, एजेंसी। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय और रामसर साइट सचिवालय द्वारा दो पर्यावरण साइटों पर राज्य के प्रस्ताव को स्वीकार करने और उन्हें रामसर साइटों के रूप में नामित करने के बाद तमिलनाडु सबसे अधिक रामसर साइटों वाला राज्य बन गया है। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग ने भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से रामसर स्थलों के लिए एकीकृत प्रबंधन योजना तैयार करने का काम किया है। इसमें कहा गया है कि तमिलनाडु में रामसर साइटों की संख्या अब तक 16 है, जो देश में सबसे अधिक है। तमिलनाडु सरकार ने नीलगिरी में लॉन्गवुड शोला रिजर्व फॉरेस्ट और अरियालुर में कराईवेट्टी पक्षी अभयारण्य के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय और रामसर साइट सचिवालय ने उन्हें स्वीकार कर लिया और 31 जनवरी को दोनों स्थानों को रामसर साइट के रूप में नामित किया गया। लॉन्गवुड शोला 116.07 हेक्टेयर में फैला है और महत्वपूर्ण पक्षी और जैव विविधता क्षेत्रों में से एक है। यह वनस्पतियों और जीवों की 700 से अधिक प्रजातियों का भी घर है। लॉन्गवुड शोला में कम से कम 177 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई है और इन 177 पक्षी प्रजातियों में से 14 पश्चिमी घाट की स्थानिक हैं। लॉन्गवुड शोला हर्पेटोफ़ुना विविधता में समृद्ध है, जिसमें पश्चिमी घाट की कई प्रजातियाँ स्थानिक हैं, और इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (यूसीएन) द्वारा भी ख़तरे में माना जाता है। यह नाजुक नीलगिरी पारिस्थितिकी तंत्र का भी एक अभिन्न अंग है, और कोटागिरी के लिए पानी का एक प्रमुख स्रोत है, जो नीचे के 18 गांवों को पानी की आपूर्ति करता है। कराईवेट्टी पक्षी अभयारण्य 453.7 हेक्टेयर में फैला है और यह तमिलनाडु के महत्वपूर्ण पक्षी और जैव विविधता क्षेत्रों में से एक है। यह स्थल वनस्पतियों और जीवों की 500 से अधिक प्रजातियों का घर है। अभयारण्य मध्य एशियाई फ्लाईवे में स्थित है, और जलपक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रजनन और चारागाह है।

गोवा के मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी की 6 फरवरी के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

पणजी, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि 6 फरवरी को राज्य में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में 50,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री के सामने पिछले 10 वर्षों में किए गए कार्यों की सूची पेश करेंगे। जनसभा में 50,000 से अधिक लोग शामिल होंगे ।सरकार द्वारा आयोजित जनसभा दक्षिण गोवा के मडगांव में होगी ।प्रधानमंत्री दक्षिण गोवा में भारत ऊर्जा सप्ताह कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे ।सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री कुल सात परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे ।सावंत ने कहा, प्रधानमंत्री कुनकोलिम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के नए परिसर, डोनापुला में भारतीय जलक्रीड़ा संस्थान, बेटिम में नेवी कॉलेज और कर्चोरेम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, रीस मैगोस किले में रोपवे और 100 एमएलडी संयंत्र की नींव रखेंगे। सलाउलिम बांध और पणजी के पैटो प्लाजा में 3डी बिल्डिंग का शिलान्यास भी करेंगे ।सावंत ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान पीएम लाभार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। उद्घाटन वर्चुअल तरीके से किया जाएगा।

हिजाब पहना तो स्कूल में नो एंट्री, मीना बाजार चलाने वाला अकबर महान कैसे ? -शिक्षामंत्री दिलावर

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में हिजाब विवाद बढ़ता जा रहा है। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हिजाब पहनने पर स्कूल में प्रवेश नहीं मिलेगा। शिक्षामंत्री ने कहा- ज्ञानवापी तो झांकी है। मथुरा-काशी बाकी है। अकबर महान नहीं, बलात्कारी था। अकबर ने मीना बाजार में मां और बहनों को उठाने का काम किया। वह महान कैसे हो सकता है। शिक्षामंत्री ने कहा कि जानबूझकर अगली पीढ़ी को गलत दिशा देने की कोशिश की जा रही है। मैं सिलेबस को चेंज करने का पक्षधर नहीं, लेकिन महापुरुषों को नीचा दिखाने की कोशिश करने वाले अंशों को जरूर हटाया जाएगा। मदन दिलावर ने कहा कि देश की जनता लगातार बात करती आई है कि ये (अयोध्या) तो पहली झांकी है, मथुरा-काशी बाकी है। जब तक श्री कृष्ण भगवान के जन्म स्थल पर उनका भव्य मंदिर नहीं बन जाता, तब तक वो एक समय ही भोजन करेंगे और माला नहीं पहनेंगे।

महापुरुषों को नीचा दिखाने वाले अंश हटेंगे : मदन दिलावर ने कहा कि वो किसी भी तरह के सिलेबस को चेंज करने के पक्ष में नहीं है, लेकिन जानबूझकर अगली पीढ़ी को गलत दिशा देने की कोशिश की जा रही है। पूर्वजों के बारे में भ्रामक जानकारियां दी जा रही है। महापुरुषों को नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे अंशों को सिलेबस से हटाया जाएगा। अकबर महान है तो वो क्यों महान है ? वो तो मीना बाजार लगाकर मां-बहनों को उठा ले जाता था, उनके साथ अनैतिक हरकते करता था। वो महान कैसे हो सकता है ? महाराणा प्रताप तो हमेशा देश और मेवाड़ के लिए लड़े हैं, तो उनसे लड़ने वाला देश का हितकारी कैसे हो सकता है ? उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले सुना था कुछ पुस्तकों में पढ़ाया जा रहा था कि चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह आतंकवादी हैं। अगर हमारे देशभक्त क्रांतिकारियों को आतंकवादी पढ़ाएंगे तो बच्चों के मन पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? उनकी दिशा क्या हो जाएगी ? वीर सावरकर तो देशभक्त है ही नहीं, ये कैसे मान लेंगे ? ऐसे अंश होंगे तो उनकी समीक्षा कर रहे हैं, कोशिश करेंगे की उन अंशों को हटाया जाए।

साइकिल देने की प्रक्रिया जारी है : स्कूलों के होनहार छात्रों को साइकिल, लैपटॉप, टैबलेट देने की योजना पर उन्होंने कहा कि साइकिल देने की प्रक्रिया जारी है। बाकी लैपटॉप- टैबलेट के विषय में मुख्यमंत्री से बात करेंगे, उसके बाद ही फैसला लिया जाएगा। जहां तक साइकिलों के रंग को कांग्रेस शासन काल में भगवा से काला करने का सवाल है तो ये सारी कांग्रेस ही काली है।इसलिए वो काला-काला करेगी ही, लेकिन अभी पूरा देश राममय हो रहा है। सभी महापुरुषों के पास जितने भी झंडे थे, सब भगवा ही थे। उगते सूर्य से लेकर, प्रवलित अग्नि तक सबका रंग भगवा ही है। जब सारी सृष्टि ही भगवा से जगमगाती है तो दूसरी और चीज भगवमयी क्यों ना हो. साइकिल भी भगवा हो जाएगी, तो क्या दिक्कत है।

स्कूलों में हो एक यूनिफॉर्म : स्कूलों में हिजाब को लेकर शिक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने कोई नया आदेश जारी नहीं किया।पहले से आदेश है कि विद्यालयों में विद्यार्थियों को अपनी ड्रेस (पोशाक, गणवेश) पहन कर जाना चाहिए।यही आग्रह है कि विद्यालय में विद्यार्थियों को अपनी गणवेश में ही आना चाहिए। ये आदेश पहले से दिए हुए है। इसमें उनका कोई नया आदेश नहीं है। ये कांग्रेस के राज में भी था और बीजेपी के राज में भी है। पहले भी था और अभी भी है। मदन दिलावर ने कहा कि पॉलिसी बनाने में टाइम लगता है, इतना जल्दी पॉलिसी बनाना संभव नहीं है, लेकिन कोशिश करेंगे की आगामी समय में पॉलिसी तैयार कर मंत्रिमंडल में जाए और मंत्रिमंडल इस पर जो भी फैसला ले, वैसा काम किया जाए।

पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को हासिल करने का रोडमैप है यह बजट- अमित शाह

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुरुवार को संसद में अंतरिम बजट 2024 पेश किया गया, जिसमें किसानों, महिलाओं और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए नई योजनाओं की घोषणा की गईं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्पष्ट मानना है कि, 'अंतरिम बजट 2024 पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को हासिल करने का रोडमैप है।' शाह यह मानते हैं कि अमृतकाल में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह अंतरिम बजट 'संकल्प से समृद्धि' का बजट साबित होने वाला है। भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने की अपनी यात्रा में मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में हासिल किए गए उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाला यह बजट किसानों, महिलाओं और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जिस तरह से साल 2047 तक पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का लक्ष्य देश के सामने रखा गया है, उस दिशा में यह बजट देश के किसानों के लिए समृद्धि के नए अवसर लेकर आया है। इस बजट में एक तरफ तिलहनों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया है तो दूसरी तरफ नैनो डीएपी के प्रयोग और डेयरी विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। अगले 5 सालों में दो करोड़ अतिरिक्त मकानों का निर्माण कार्य शुरू करने की योजना से मध्यम वर्ग के लोग लाभान्वित होंगे।

देश की जनता ने देखा है कि आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का काम किया जा रहा है। अंतरिम बजट 2024 में आयुष्मान योजना से आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को जोड़ने का महत्त्वपूर्ण फैसला लिया गया है, जिससे ये लोग भी मुफ्त इलाज का लाभ ले पाएंगे। साथ ही, इस बजट में 'सर्वाइकल कैंसर' से बचाव के लिए 9 से 14 साल की बच्चियों के टीकाकरण को बढ़ावा देने का अहम फैसला भी लिया गया है। सूर्योदय योजना के तहत 1 करोड़ परिवारों के घरों पर रूफ टॉप सौर ऊर्जा सिस्टम लगाने का फैसला भी अभूतपूर्व है, इससे वे सारे परिवार हर महीने 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे और सालाना बचत भी होगी।

अगले पाँच दशकों के लिए राज्यों को कुल 75,000 करोड़ रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करने का निर्णय केंद्र और राज्य के संबंधों को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित होगा।

गेनवेल ग्रुप ने टीआईएल लिमिटेड का अधिग्रहण किया

दिल्ली, गेनवेल ग्रुप ने अपनी समूह इकाई- इंडोक्रेस्ट डिफेंस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (आईडीएसपीएल) के माध्यम से आज भारत की अग्रणी इन्फ्रा उपकरण निर्माता कंपनियों में से एक टीआईएल (पूर्व में ट्रैक्टर्स इंडिया) लिमिटेड (एनएसई- टीआईएल) में एक प्रमुख हिस्सेदारी हासिल कर ली है। मेक-इन-इंडिया समूह गेनवेल ग्रुप का खनन, निर्माण, ऊर्जा, रक्षा, रेलवे और भारी उपकरण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है जिससे टीआईएल के विकास में और तेजी आने के साथ ही क्रेन, रीच स्टैकर्स, सामग्री प्रबंधन और रक्षा उपकरण के लिए इसकी पहले से ही शक्तिशाली ऑर्डर बुक को और मजबूत करने की उम्मीद है। गेनवेल ग्रुप के प्रोत्साहक सुनील कुमार चतुर्वेदी को आज टीआईएल के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन टीआईएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले हैं।

सुनील कुमार चतुर्वेदी ने अधिग्रहण के बारे में कहा, फ्यह गेनवेल और टीआईएल दोनों के लिए एक मील का पत्थर वाला पल है और अगले 5 वर्षों के भीतर 1 बिलियन डॉलर का आकार और कद हासिल करने की गेनवेल समूह की बड़ी आकांक्षा के अनुरूप है। लगभग आठ दशकों के इतिहास के साथ टीआईएल एक समृद्ध विरासत, ब्रांड सद्भावना, विनिर्माण कौशल और क्षमताओं की विस्तृत श्रृंखला का प्रतीक है।

मुन्ना भाई की खैर नहीं, पेपर लीक के खिलाफ कानून की तैयारी; 1 करोड़ लगेगा जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। परीक्षाओं में धांधली रोकने और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। खबर है कि सोमवार को संसद में इससे जुड़ा विधेयक भी पेश हो सकता है। खास बात है कि बजट सत्र के शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अभिभाषण में पेपर लीक के खिलाफ कानून का जिक्र किया था। खबर है कि इसमें 10 साल की जेल और एक करोड़ रुपये जुर्माने जैसे कड़े प्रावधान शामिल हैं। सरकारी नौकरियों और केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं में गलत संसाधनों के इस्तेमाल के खिलाफ नए विधेयक की तैयारी है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्तावित कानून का मकसद माफिया समेत ऐसे संस्थानों और लोगों पर नकेल कसना है, जो पेपर लीक, किसी और से परीक्षा दिलाने, कंप्यूटर हैकिंग में शामिल हैं।

कड़ी सजा मिलेगी : रिपोर्ट के अनुसार, तय अभ्यर्थी के स्थान पर किसी और को परीक्षा दिलाने, पेपर सॉल्व कराने, केंद्र के अलावा कहीं और परीक्षा आयोजित करने या परीक्षा से जुड़ी धोखेबाजी की जानकारी नहीं देने वालों को 3 से 5 सालों की सजा हो सकती है। साथ ही 10 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है। कहा जा रहा है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा करा रहा सर्विस प्रोवाइडर अगर गलत कामों में शामिल पकड़ा जाता है, तो 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लग सकता है। साथ ही उसपर 4 सालों के लिए परीक्षा आयोजित कराने पर भी रोक लग सकती है। ऐसी कंपनी का अगर शीर्ष प्रबंधन भी इस तरह के कामों में लिप्त पाया जाता है, तो 3 से 10 सालों की जेल और 1 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया जा सकता है। विधेयक में और क्या पीटीआई भाषा के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि लोक परीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक, 2024 सोमवार को संसद में पेश किया जा सकता है, लेकिन अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल में इस विधेयक को मंजूरी दी थी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में विद्यार्थियों को निशाना नहीं बनाया जाएगा, बल्कि इसमें संगठित अपराध, माफिया और साठगांठ में शामिल पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। विधेयक में एक उच्च-स्तरीय तकनीकी समिति का भी प्रस्ताव है, जो कम्प्यूटर के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सिफारिशें करेगी। यह एक केंद्रीय कानून होगा और इसके दायरे में संयुक्त प्रवेश परीक्षाएं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाएं भी आएंगी। शुरुआत पर संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ी को लेकर युवाओं की चिंताओं से अवगत है। उन्होंने कहा, इस दिशा में सख्ती लाने के लिए नया कानून बनाने का निर्णय लिया गया है।

अखिलेश यादव ने कहा, झारखंड में भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा आया सामने

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने झारखंड मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा सामने आ रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि झारखंड के साहसी योद्धा हेमंत सोरेन भाजपा के आदिवासियों और आदिवासी क्षेत्रों की रक्षा के लिए सदैव वचनबद्ध रहे हैं और भाजपाई भ्रष्ट राजनीतिज्ञों व पूंजीपतियों के सामने इसलिए दीवार बनकर खड़े रहे, जिससे झारखंड को शोषण से बचाया जा सके। इसीलिए उनके साथ ऐसा बुरा व्यवहार किया जा रहा है। ये झारखंड के जनमत का अपमान है। इसीलिए हर एक झारखंड निवासी इस बार भाजपा के ख़िलाफ़ वोट डालेगा और भाजपा को ऐतिहासिक पराजय का सामना करना पड़ेगा।

अखिलेश यादव ने कहा, दरअसल भाजपा महंगाई, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार के बड़े मुद्दों के सामने अपने को बुरी तरह से हारा हुआ मान रही है, तभी तो वो कहीं सरकारें गिरा कर, कहीं चयनित मुख्यमंत्री को गिरफ़्तार कर और कहीं मतपत्रों में जालसाज़ी कर अपनी सत्ता बचाए रखना चाहती है।

उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा नैतिक रूप से 2024 का चुनाव पहले ही हार चुकी है अब तो बस उसकी राजनीतिक हार होने की घोषणा होना बाक़ी है। भाजपा की ऐसी अलोकतांत्रिक हरकतें देखकर उनको वोट देनेवाले भी इस बार पहले से पीछे हट गए हैं।

सपा मुखिया ने आगे कहा कि हम लगातार जिस पीडीए की बात कर रहे हैं उसमें आदिवासी समाज भी पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों व आधी आबादी मतलब महिलाओं व अगड़ों में पीड़ित-दुखी लोगों सहित शामिल है। भाजपा पीडीए विरोधी है। पीडीए कुल मिलाकर हमारे देश की 90 फीसदी जनसंख्या की एकता का नाम है, भाजपा इसी एकता से डरी है और छापे-गिरफ़्तारी का डर दिखाकर हमें बांटना चाहती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित जमीन घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इससे पहले ही सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए राज्य प्रमुख के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। इस बीच झारखंड में कुछ आदिवासी संगठनों ने बंद का आह्वान किया है।

राहुल की सीमांचल यात्रा कांग्रेस को दे पाएगी ताकत !

पटना, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तीन दिनों तक बिहार के सीमांचल में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रहे और किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार होते हुए पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गए। राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान आम लोगों से भी मिले और किसानों, बेरोजगारो से भी मुलाकात की। रोड शो के जरिए अपनी ताकत भी दिखाने की कोशिश की। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि राहुल की यह यात्रा कांग्रेस को कितना ताकत दे पाएगी।

किशनगंज एक मात्र ऐसी सीट है, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की सहयोगी पार्टी कांग्रेस जीत सकी थी। वैसे, गांधी जिस दिन राहुल की धरती पर पहुंचे उसी दिन नीतीश कुमार पाला बदलकर एनडीए के साथ चले गए। राहुल गांधी ने पूर्णिया में एक रैली को संबोधित करते हुए महागठबंधन के लिए नीतीश की जरूरत नहीं की बात भले की, लेकिन माना जा रहा है कि नीतीश के बिना महागठबंधन की राह आसान नहीं है।

कहा तो यहां तक जा रहा है कि अगर नीतीश की पार्टी जदयू राहुल गांधी की न्याय यात्रा के साथ होती तो यह यात्रा और दमदार होती। गांधी हालांकि सीमांचल के लोगों को धन्यवाद और आभार जताना नहीं भूले। गांधी का इस दौरान लोगों ने दिल खोलकर स्वागत भी किया। सीमांचल की राजनीति पर पैनी नजर रखने वाले पूर्णिया के राजेश शर्मा ने कहा कि 4 लोकसभा और 24 विधानसभा वाले सीमांचल क्षेत्र में गांधी की यात्रा का प्रभाव तब दिखेगा जब यहां के लोकसभा चुनाव क्षेत्र से दमदार प्रत्याशी भी उतारे जाएं। उन्होंने बताया कि खराब समय में भी सीमांचल कांग्रेस के साथ खड़ा रहा है। किशनगंज में कांग्रेस भारी है, इसे कोई नकार नहीं सकता। राजद के साथ कांग्रेस के होने से यादव मुस्लिम वोटबैंक का भी साथ मिलना तय है।

शर्मा कहते है कि गांधी के दौरे के पूर्व से ही कांग्रेस के नेता पुराने कांग्रेसियों और बड़े नेताओं को कांग्रेस के साथ जोड़ने में सफल हुए थे। गांधी की इस यात्रा से इनमें उत्साह भी बढ़ा है। बहरहाल, गांधी तीन दिनों तक सीमांचल के बाद पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गए। इसमें कोई शक नहीं कि गांधी की यात्रा से फिलहाल कांग्रेस को ताकत मिली है, लेकिन चुनाव तक इसे कांग्रेस कायम रख सकेगी, यह देखने वाली बात होगी।

हिमाचल में सीज़न की पहली व्यापक बर्फबारी, किसानों व होटल व्यवसायियों में खुशी की लहर

शिमला, एजेंसी। लगभग दो महीने के लंबे शुष्क दौर के बाद, बुधवार को हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और निचले इलाकों में व्यापक बारिश ने क्षेत्र के किसानों और होटल व्यवसायियों को खुश कर दिया। शिमला के आसपास के पर्यटन स्थलों पर सीजन की पहली अच्छी बर्फबारी हुई, इससे इलाके मनोरम दृश्य देखने को मिले।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, शिमला के आसपास के स्थानों पर आज (बुधवार) सुबह काफी बर्फबारी हुई। यह सीजन की पहली अच्छी बर्फबारी है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण गुरुवार तक राज्य में बर्फबारी का एक और दौर जारी रहने की संभावना है। कुल्लू जिले के एक अन्य सुरम्य पर्यटन स्थल मनाली और चंबा जिले के डलहौजी में बर्फबारी हो रही है, दोनों स्थानों पर इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई है।

रिपोर्टों में कहा गया है कि पुलिस ने मंगलवार शाम को भारी बर्फबारी के बाद ऊपरी मनाली में हिमालय की पूर्वी पीर पंजाल श्रृंखला में रोहतांग दर्रे के नीचे बनी राजमार्ग सुरंग, अटल सुरंग के पास फंसे लगभग 300 पर्यटकों को बचाया। पर्यटक लगभग 50 वाहनों और एक एचआरटीसी बस में यात्रा कर रहे थे।

अधिकारी ने कहा, लाहौल और स्पीति, चंबा, मंडी, कुल्लू, किन्नौर, सिरमौर और शिमला जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में मध्यम बर्फबारी हो रही है। धर्मशाला, शिमला, सोलन, नाहन और मंडी सहित राज्य के निचले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, इससे तापमान काफी नीचे आ गया। बर्फबारी और बारिश ने क्षेत्र के किसानों और होटल व्यवसायियों को खुश कर दिया है। शिमला के जुब्बल क्षेत्र के बागवान नरेश चौहान ने कहा, राज्य भर में लंबे समय से चला आ रहा सूखा आखिरकार खत्म हो गया है। बर्फबारी का यह दौर सेब, आड़ू, प्लम, खुबानी और बादाम की फसलों के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा कि नवंबर के बाद राज्य के अधिकांश फल उत्पादक क्षेत्रों में नगण्य बर्फबारी और बारिश से मिट्टी में नमी की मात्रा कम हो गई है। मौसम विभाग ने कहा कि शिमला जिले के कोठगढ़-थानेदार बेल्ट और कुल्लू घाटी में अगले 24 घंटों में अच्छी बर्फबारी की संभावना है। शिमला के आसपास के इलाकों और मनाली में बर्फबारी के बाद पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधि भी खुश हैं। मनाली के एक उत्साहित होटल व्यवसायी ने कहा, हमें उम्मीद है कि बर्फबारी का अच्छा दौर पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

सरफराज खान के चयन पर बोले दीप दासगुप्ता- गुणवत्ता रनों का बढ़ना भी महत्वपूर्ण है

नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने इस बात पर अपनी राय रखी कि क्या सरफराज खान को पहले भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए था। 26 वर्षीय सरफराज को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2 फरवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में चुना गया। केएल राहुल के हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद सरफराज को पहली बार भारत में शामिल किया गया। उनके साथ रवींद्र जडेजा के दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के बाद सौरभ कुमार को भी टेस्ट टीम में बुलाया गया था।

दासगुप्ता ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 2 मैचों की अनौपचारिक टेस्ट श्रृंखला में अपने खेल के शीर्ष पर रहने के लिए सरफराज की प्रशंसा की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दूसरे मैच में युवा खिलाड़ी ने शानदार शतक बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। हालांकि दासगुप्ता ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों का चयन करते समय उन टीमों पर भी गौर करना चाहिए जिनके खिलाफ उन्होंने रन बनाए हैं।

दासगुप्ता ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें

इसका श्रेय जाता है कि वह पिछले दो से तीन वर्षों से अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ भी रन बनाए थे। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन दो सवाल थे। सबसे बड़ा सवाल था कि किसकी जगह। हम बड़ी आसानी से कह देते हैं कि फलां खिलाड़ी होना चाहिए, लेकिन 11 ही खेल सकते हैं और टीम में 15 या 16 ही हो सकते हैं। दूसरी बात ये भी सवाल था और मैंने सुना है यह कुछ लोगों से पता चलता है कि बड़े मैचों में रन कहां होते हैं।

उन्होंने कहा, जब लोग प्रथम श्रेणी क्रिकेट के बारे में बात करते हैं, तो पूरे सम्मान के साथ आपके पास 37 टीमें हैं। आप कुछ बहुत ही औसत टीमों के खिलाफ भी खेल रहे हैं। मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए, यह कुछ टीमों के लिए अपमानजनक होगा, लेकिन गुणवत्ता रनों का बढ़ना भी महत्वपूर्ण है। मैं यह बात सरफराज के खिलाफ नहीं कह रहा हूं। 45 प्रथम श्रेणी मैचों में सरफराज ने 69.85 की औसत और 70.48 की स्ट्राइक रेट से 3912 रन बनाए हैं जिसमें 14 शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल हैं।

वे इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाजी को दबाव में डाल सकते हैं, चोपड़ा ने पाटीदार और सरफराज का समर्थन किया

नई दिल्ली। भारत 5 मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में अपनी प्लेइंग इलेवन में जबरन बदलाव करने के लिए तैयार है। भारत को अपने दो मुख्य खिलाड़ियों केएल राहुल और रवींद्र जड़ेजा के चोटिल होने के कारण हार का सामना करना पड़ा है। दूसरे टेस्ट मैच में विराट कोहली की अनुपस्थिति के कारण, भारत को टीम के बल्लेबाजी क्रम को भरने के लिए कम से कम एक पदार्पण की उम्मीद होगी। सरफराज खान और रजत पाटीदार में से किसी एक के दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की उम्मीद है। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी सितारे भारत के बल्लेबाजों की तुलना में स्पिन को बेहतर ढंग से खेलने में सक्षम हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने हाल के वर्षों में घरेलू रेड-बॉल सर्किट में कड़ी मेहनत की है।

चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, %रजत पाटीदार और सरफराज खान बहुत महत्व रखते हैं। वे स्पिन-अनुकूल पिचों पर अच्छा खेलते हैं और रणजी ट्रॉफी में बहुत सारे रन बनाए हैं। वे अंतरराष्ट्रीय सफेद गेंद क्रिकेट से नहीं आ रहे हैं, जो आपकी रक्षा को कमजोर करता है। मैं मैच के लिए तैयार हूं और यह भारत के लिए अच्छी खबर है। वे इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाजी को दबाव में डाल सकते हैं।%

हैदराबाद में पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भारत को हार का सामना करना पड़ा जब पदार्पण कर रहे टॉम हार्टले ने 7 विकेट लिए। भारतीय टीम राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में 231 रनों के लक्ष्य के 28 रन रहते सामने ढेर हो गई और उम्मीद है कि वह अपनी गलतियां नहीं दोहराएगी।

इंग्लैंड की टीम में भी बदलाव होंगे जैक लीच घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड की टीम में अनुभवी जेम्स एंडरसन हैं जो लीच के स्थान पर आ सकते हैं, या टीम अगर इसी तरह के संयोजन के साथ खेलना चाहती है तो शोएब बशीर को पदार्पण करा सकती है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच से पहले बात की और कहा कि टीम डॉ. वाई.एस.राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के विकेट का विश्लेषण करने के बाद फैसला करेगी। दूसरा टेस्ट 2 फरवरी, शुक्रवार से शुरू होगा।

चोट के कारण मेस्सी का सामना नहीं कर सकेंगे रोनाल्डो

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो चोट के कारण लियोनेल मेस्सी के खिलाफ बहुचर्चित नुमाइशी फुटबॉल मैच नहीं खेल सकेंगे। रोनाल्डो के क्लब अल नासर और मेस्सी के इंटर मियामी के बीच बृहस्पतिवार को यहां मुकाबला होना है।

अल नासर के कोच लुईस कास्ट्रो ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'क्रिस्टियानो अभी पूरी तरह से फिट नहीं है। उम्मीद है कि वह अगले कुछ दिन में फिट हो जाएगा। वह इंटर मियामी के खिलाफ नहीं खेल सकेगा। मेस्सी और रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता स्पेन में बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड के लिए खेलने के दिनों से चली आ रही है। दोनों मिलकर पिछले 15 में से 13 बलोन डिओर पुरस्कार जीत चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर स्किन कैंसर के कारण महिला प्रीमियर लीग से हुई बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज लॉरेन चीटल को गर्दन से स्किन कैंसर निकालने के लिए सर्जरी के बाद महिला प्रीमियर लीग 2024 से बाहर होना पड़ा है। चीटल ने पिछले दिसंबर में भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने बुधवार को ये सर्जरी करवाई।

इस साल का डब्ल्यूपीएल 23 फरवरी से बेंगलुरु में शुरू हो रहा है और तेज गेंदबाज चीटल को पिछले साल दिसंबर में हुई नीलामी के दौरान गुजरात जायंट्स ने खरीदा था। 25 वर्षीय खिलाड़ी का 2021 में भी इसी तरह का इलाज हुआ था। तब उनके पैर में परेशानी हुई थी। वह न्यू साउथ वेल्स के लिए महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के बाकी मैचों से भी बाहर हो जाएंगी। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक बयान में कहा गया है, चीटल खिलाड़ियों के निर्धारित ऑफ-सीजन ब्रेक के बाद एनएसडब्ल्यू के साथ ट्रेनिंग में वापसी का लक्ष्य बना रही हैं।

स्टोक्स ने रूट को 'गेंदबाज' बनाने का वादा निभाया

विशाखापत्तनम। बेन स्टोक्स ने जो रूट की गेंदबाजी निखारने का वादा किया था और इंग्लैंड के कप्तान को इस बात से खुशी है कि वह अपने इस 'मिशन में सफल रहे जो इस शीर्ष बल्लेबाज के पहले टेस्ट की जीत में पांच विकेट झटकने से साफ झलकता है। इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ

बल्लेबाज रूट भारत के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज भी रहे जिन्होंने मैच में पांच विकेट हासिल किए। रूट ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में केएल राहुल का अहम विकेट अपने नाम किया जिससे इंग्लैंड ने वापसी करते हुए शानदार जीत हासिल की। रूट ने अच्छी गति से गेंद टर्न कराई और उनकी स्ट्रेट गेंद से भी भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी हुई।

दूसरे टेस्ट में जैक लीच नहीं खेल रहे हैं तो रूट के स्पिन विभाग में और अधिक जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद है। उन्होंने श्रृंखला के शुरूआती मैच में कुल 48 ओवर डाले थे। स्टोक्स ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैंने हमेशा जो से कहा कि बतौर कप्तान उन्होंने कम गेंदबाजी की और मैं उन्हें कहता कि मैं उन्हें एक गेंदबाजी बनाऊंगा और मैंने ऐसा कर भी दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसे खिलाड़ी का होना जो सिर्फ गेंद ही नहीं फेंकता बल्कि खेल की रफ्तार भी बढ़ा दे। वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी भी करे और उन्होंने जितने रन बनाए हैं, उसे देखते हुए वह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

स्टोक्स ने कहा, 'जो की गेंदबाजी का यहां फायदा मिलना निश्चित रूप से बहुत बड़ी चीज है। इंग्लैंड ने मार्क वुड की जगह जेम्स एंडरसन को जबकि चोटिल लीच के स्थान पर 'अनकैप्ड शोएब बशीर को शामिल किया है। बशीर वीजा मुद्दों के कारण देर से भारत पहुंचे जिससे वह पहले मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। एंडरसन की वापसी इंग्लैंड के लिए ऐसा ही काम करेगी जो जसप्रीत बुमराह भारत के लिए पुरानी गेंद से करते हैं और वो है 'रिवर्स स्विंग । स्टोक्स ने कहा कि एंडरसन जब नहीं खेल रहा होता तब भी वह टीम के लिए योगदान करता है जैसा हैदराबाद में हुआ था। स्टोक्स ने कहा, 'जिम्मी का अनुभव लाना शानदार है और उनका भारत में रिकॉर्ड भी अच्छा है। जिम्मी 'द स्विंग किंग शानदार गेंदबाज है।

इंग्लैंड पर पलटवार को तैयार भारतीय टीम, संभावित प्लेइंग 11

विशाखापत्तनम। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम हैदराबाद टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट में पलटवार करने को तैयार है। भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के स्पिनरों से निपटने के लिए तैयारी कर ली है और इसको लेकर बीते दिनों में भारतीय बल्लेबाजों को परंपरागत शॉट्स के साथ स्वीप शॉट और रिवर्स स्वीप शॉट खेलने का जमकर अभ्यास किया।

मेजबान टीम को पहले से ही विराट कोहली की कमी खल रही है और अब रवींद्र जड़ेजा और केएल राहुल के भी बाहर हो जाने से उनकी बल्लेबाजी लाइनअप में एक बड़ा अंतर आ गया है। हालाँकि, इससे रजत पाटीदार, सरफराज खान और वाशिंगटन सुंदर को यहां अपनी छाप छोड़ने का मौका मिलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की चोटों से जुझ रहे भारतीय टीम को एक उदाहरण पेश करना होगा।

खराब फॉर्म से जूझ रहे श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल पर भी दबाव है। दोनों बल्लेबाजों को धैर्यपूर्ण खेल का मुजाहिरा करना होगा। रोहित को अपनी पारी को मैच जिताने वाली पारी में तब्दील कर करना होगा। रोहित शर्मा चार हजार टेस्ट रन पूरे करने से 200 रन दूर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपनी स्टाइल में ऐतिहासिक मुकाम हासिल करेंगे।

दूसरे टेस्ट के लिए भारत की पूरी टीम के पास कुल मिलाकर 10,702 टेस्ट रन हैं, जबकि अकेले जो रूट के नाम 11,447 टेस्ट रन हैं। इसलिए उम्मीद है कि सभी आलोचकों की इस भारतीय बल्लेबाजी इकाई पर नजर रहेंगी। भारत ने पहले भी विशाखापत्तनम में दो टेस्ट खेले हैं और वहां उसका रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन पहला टेस्ट जीतकर इंग्लैंड की उत्साही टीम भारत के घरेलू प्रभुत्व को खत्म करने का प्रयास करेगी। भारतीय प्रशंसकों को उम्मीद है कि भारतीय टीम फिर से अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराते हुए और सीरीज में बराबरी करेगी।

संभावित प्लेइंग 11

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, के एस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा और मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड = जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फॉक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, शोएब बशीर, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन

टेस्ट टीम में जगह मिलना सबसे सुखद क्षण, ENG के खिलाफ दूसरे मैच से पूर्व बोले रजत पाटीदार

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारत के बल्लेबाज रजत पाटीदार ने कहा कि पहला टेस्ट कॉल-अप प्राप्त करना उनके जीवन का सबसे खुशी का क्षण है और सीनियर बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से सीख रहा हूं। पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ रहा भारत शुक्रवार को विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड से भिड़ेगा। केएल राहुल और रवींद्र जडेजा चोटों के कारण बाहर हैं और विराट निजी कारणों से पहले दो टेस्ट नहीं खेल रहे हैं, ऐसे में पाटीदार भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं।

बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में पाटीदार ने कहा, जब भी कोई खिलाड़ी घायल हो जाता है, तो उसके लिए यह मुश्किल हो जाता है। मैंने खुद से कहा कि मैं अपना रिकवरी समय नहीं बदल सकता, खुद को वर्तमान में रखा और इसे स्वीकार किया। चोट से वापसी करते हुए अपना पहला टेस्ट कॉल-अप पाना मेरे लिए सबसे खुशी का पल है क्योंकि भारत के लिए टेस्ट खेलना मेरा सपना था। भारत ए के लिए खेलते समय मुझे कॉल आया था।

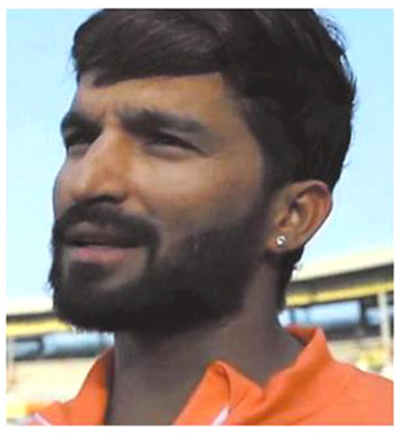

पाटीदार ने कहा कि वह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ अच्छी तरह से संवाद कर रहे हैं और नेट्स में कप्तान रोहित के साथ बल्लेबाजी पर भी चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा, मेरी बल्लेबाजी शैली आक्रामक है और मैं अपने घरेलू क्रिकेट के दिनों से इसी तरह खेलता आया हूं। यह मेरी आदत है, यह अच्छी तैयारी के बारे में है। प्रतिद्वंद्वी कैसे गेंदबाजी करते हैं, उनके गेंदबाज, फील्ड प्लेसमेंट और रोहित जैसे खिलाड़ी कैसे इसका सामना करते हैं, मैं इसे खेल में जोड़ने की कोशिश करता हूं। यही मेरा एकमात्र ध्यान है।

पाटीदार ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें विराट को बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद है खासकर उनके फुटवर्क और बॉडी मूवमेंट को। 35 वर्षीय सुपरस्टार बल्लेबाज पाटीदार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में टीम के साथी भी हैं। पाटीदार ने कहा, मैं हमेशा नेट्स के पीछे से विराट भाई की बल्लेबाजी को देखता हूं - खासकर बल्लेबाजी के दौरान उनके फुटवर्क और बॉडी मूवमेंट को - मुझे उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखने में बहुत मजा आता है। मैं इसे अपने खेल में जोड़ने की कोशिश करता हूं। अपनी सारी भावनाओं को एक शब्द में व्यक्त करते हुए पाटीदार ने कहा कि वह भारत के लिए टेस्ट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पाटीदार ने पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के लिए एक वनडे मैच खेला था, जहां उन्होंने 16 गेंदों में 22 रन बनाए थे और अपने स्ट्रोकप्ले से प्रभावित किया था।

इंग्लैंड को लगा झटका, अनुभवी खिलाड़ी दूसरे टेस्ट से बाहर

विशाखापत्तनम। इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है क्योंकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। इंग्लैंड उम्मीद कर रहा था कि वह ठीक हो जाएंगे और शुक्रवार को विशाखापत्तनम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि 32 वर्षीय खिलाड़ी को दूसरे मैच के लिए बाहर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आईसीसी के हवाले से स्टोक्स ने लीच के बारे में कहा, %वह दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दुर्भाग्य से, उसने जो प्रहार किया उसके कारण उसके पैर में हेमेटोमा हो गया। यह हमारे लिए बड़ी दुख की बात है, जैक के लिए बड़ी दुख की बात है, जाहिर तौर पर लंबे समय तक अपनी पीठ के बल खेल से बाहर रहने के बाद।% स्टोक्स ने आगे कहा, %यह कुछ ऐसा है जिसका हम हर दिन आकलन कर रहे हैं। मेडिकल टीम ने इसे संभाल लिया है, और उम्मीद है, यह कुछ ऐसा नहीं है जो बहुत गंभीर हो और उसे श्रृंखला में लंबे समय तक बाहर रखे।

इंग्लैंड से निपटने के लिए बनाई नई योजना, केएस भरत ने दूसरे टेस्ट को लेकर बताया प्लान

विशाखापत्तनम। विकेटकीपर केएस भरत ने गुरुवार को कहा कि चोटों से प्रभावित भारतीय खेमे में कोई हड़बड़ाहट नहीं है और घरेलू टीम ने यहां दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए नई योजना बनाई है जिसमें जरूरत पड़ने पर स्वीप शॉट लगाना भी शामिल है। भरत अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलेंगे। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में रही अपनी खामियों पर काम किया है जिसमें इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए 28 रन से जीत दर्ज की थी।

ओली पोप की अगुआई में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर भारतीय स्पिनरों का आराम से सामना किया। शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले टेस्ट में उनके इसी जज्बे से खेलना जारी रखने की उम्मीद है। भरत ने कहा, 'वे काफी अच्छा खेले। श्रेय उनको दिया जाना चाहिए। ओली पोप ने वास्तव में काफी अच्छे शॉट खेले।

भारतीय टीम अपने स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा और शीर्ष बल्लेबाज केएल राहुल के बगैर खेलेगी जो चोटिल हो गए हैं। भरत ने कहा, 'हमारी टीम बैठकों में हमने उन चीजों के बारे में बात की जिन्हें हम बेहतर तरीके से कर सकते थे और हां, हमारी निश्चित रूप से

कुछ योजनायें हैं। हम निश्चित रूप से देख रहे हैं कि उन्होंने पहले मैच में कैसा खेल दिखाया, कुछ रिवर्स शॉट खेले। इस पर हमने निश्चित रूप से काम किया है।

भारतीय बल्लेबाज ज्यादा स्वीप शॉट्स नहीं खेलते हैं लेकिन दूसरे टेस्ट से पहले दो ट्रेनिंग सत्र में इन शॉट का अभ्यास करते हुए दिखायी दिये। क्या इसका मतलब है कि घरेलू टीम ज्यादा 'स्क्वायर ऑफ द विकेट खेलेगी? उन्होंने कहा, 'भारत में हम इस तरह के ट्रैक पर काफी क्रिकेट खेले हैं। ऐसा नहीं है कि हम स्वीप, रिवर्स स्वीप या पेडल शॉट खेलना नहीं जानते, लेकिन टीम की हालात को देखते हुए उस विशेष दिन हम बल्लेबाज फैसला करते हैं।

भरत ने कहा, 'हमारे लिए बहुत स्पष्ट है कि स्वतंत्रता से खेलें। हमने पहले मैच से पहले भी रिवर्स स्वीप शॉट का अभ्यास किया था। लेकिन क्रीज पर खेलते हुए यह बल्लेबाजी की व्यक्तिगत योजना होती है। हैदराबाद में दूसरी पारी में इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन फिर टॉम हार्टले की खूबसूरत गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, 'अगर टीम एक निश्चित तरीक से खेलने की मांग करती है तो हमें ऐसा ही करना होता है।

परमात्मा के नाम की इतनी महिमा है, तो क्या परमात्मा के रूप की कोई महिमा नहीं

गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, कि मैं किसे छोटा कहूँ, और किसे बड़ा? मैं दोनों में छोटे अथवा बड़े की तुलना करूँगा, तो यह बड़ा अपराध हो जायेगा। लेकिन जो साधु होते हैं, वे इस भेद को समझ लेते हैं। साधारण शब्दों में समझना चाहें, तो हम बता देते हैं, कि किसी का भी रूप उसके नाम के आधीन होता है।

गोस्वामी तुलसीदास जी महिमा गान के पड़ावों में, अब जो महिमा गा रहे हैं, वह महिमा के मायने कुछ अलग हैं। कारण कि वैसे तो गोस्वामी जी केवल संतों, देवी-देवताओं व प्रभु के अवतारों की ही महिमा गाते हैं। कारण कि संपूर्ण जगत में इनसे बड़ा कोई है भी नहीं। लेकिन यह भी पूर्ण सत्य नहीं है। निश्चित ही देवों व अवतारों से भी बड़ा कोई है, जिसका कोई सानी ही नहीं है। जी हाँ! वह है प्रभु का पावन 'नाम'।

बंदउँ नाम राम रघुवर को।
हेतु कृसानु भानु हिमकर को।।

अर्थात मैं रघुपति जी के नाम 'राम' की वंदना करता हुँ। जो अग्नि, सूर्य और चन्द्रमा का बीज है।

महामंत्र जोइ जपत महेसू।
कासीं मुकुति हेतु उपदेसु।।
महिमा जासु जान गनराऊ।
प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ।।

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्रीशिव जी जपते हैं, और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है, तथा जिसकी महिमा को गणेश जी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। ऐसे प्रभु के नाम की भला और किन शब्दों में महिमा गाई जाये।

इसे समझने के लिए थोड़ा धैर्य की आवश्यक्ता है। गोस्वामी जी कहते हैं-

'को बड़ छोट कहत अपराधू।
सुनि गुन भेदु समुझिहहिं साधू।।
देखिअहिं रुप नाम आधीना।
रुप ग्यान नहिं नाम बिहीना।।'

गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, कि मैं किसे छोटा कहुँ, और किसे बड़ा? मैं दोनों में छोटे अथवा बड़े की तुलना करुँगा, तो यह बड़ा अपराध हो जायेगा। लेकिन जो साधु होते हैं, वे इस भेद को समझ लेते हैं। साधारण शब्दों में समझना चाहें, तो हम बता देते हैं, कि किसी का भी रूप उसके नाम के आधीन होता है। किसी के रूप के दर्शन करने हों, तो आपको नाम का ही सहारा लेना पड़ता है। जैसे मान लीजिए, कि आपका भाई दीवार के उस पार है। आप चाहते हैं, कि वह अपना चेहरा अर्थात रूप लेकर आपके सामने उपस्थित हो। तो निश्चित ही आप अपने भाई के रूप को देखने के लिए, उसके नाम का उच्चारण करेंगे। परिणाम यह होगा, कि अगले ही पल आपका भाई अपने रूप को लेकर, आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

आप स्वयं के ही संदर्भ में लेकर देख लीजिए। आप कहीं बैंक, स्कूल अथवा किसी भी स्थान पर जाते हैं। सर्वप्रथम यह बात तो स्पष्ट है, कि आप अपना रुप लेकर ही वहाँ पहुँचते हैं। आप अपने रूप को वहाँ प्रस्तुत करते हुए अपना क्या परिचय देते हैं? क्या आप यह कहते हैं, कि मैं आया हुँ, यह मेरा रूप है, मैं ऐसा दिख रहा हुँ, कृपया मेरा यह काम कर दीजिए।

सामने वाला आपके इस वाक्य से थोड़ा हैरान हो जायेगा। वह कहेगा, 'ठीक है श्रीमान! आप आये हैं। आपका स्वागत है। लेकिन कृपया आप यह बताने का कष्ट करेंगे, कि आप कौन हैं? अर्थात क्या आप अपना नाम बताने की कृपा करेंगे?'

उत्तर में क्या आप यह कहते हैं, कि 'नहीं जी मेरे नाम से आपको क्या मतलब? मैं अपने रुप सहित यहाँ उपस्थित हूं, आपको मेरे नाम से क्या लेना देना?'

आपका उत्तर सुनकर, अवश्य ही प्रश्नकर्ता आपको अज्ञानी की श्रेणी में डाल देगा। क्योंकि आप भले ही अपना रूप लेकर वहाँ उपस्थित हों। लेकिन आपकी पहचान तो आपके नाम से ही होगी। आपसे आपका नाम ही पूछा जायेगा।

मान लीजिए आप बैंक में ही गये हैं, और वहाँ आपको अपना खाता खुलवाना है। वहाँ आप यह तो नहीं कह देंगे न, कि 'मैं यहाँ आ गया बस। मेरी प्रथम प्रतिज्ञा ही यह है, कि मैं अपना नाम नहीं बताऊँगा। लेकिन तब भी आप मेरा खाता खोल दीजिए। इन नाम वाम के झंझट में मुझे नहीं पड़ना है।'

आप जानते हैं, कि ऐसे आपका खाता नहीं खुलेगा। आपका केवल अपना रुप प्रस्तुत करने से काम नहीं चलेगा। आपको रूप के साथ-साथ अपना नाम भी प्रगट करना होगा। एक बार आपका नाम बैंक खाते में चढ़ गया, उसके बाद आप भले ही अपने रूप को अपने घर में रखें, बैंक में ना जायें, तब भी आपका नाम ही, आपके पैसों के लेन देन के लिए काफी है। आप चैक पर केवल अपने नाम के हस्ताक्षर करके ही भेज देंगे, तो आपको पैसे प्राप्त हो सकते हैं।

इस छोटे से उदाहरण से आप इतना तो समझ ही गये होंगे, कि जितना महत्वपूर्ण आपका रूप नहीं, उससे भी बढ़कर तो आपके नाम का मूल्य है। आप किसी स्थान पर नहीं भी हैं, लेकिन किसी ने कह दिया, कि मुझे इस नाम के श्रीमान ने भेजा है, तो सामने वाला व्यक्ति तुरंत क्रियाशील हो जाता है। आपके लिए कुर्सी भी छोड़ देता है। आपको कहता भी है, कि आपने पहले ही 'साहब' का नाम बता दिया होता, तो आपको यूँ परेशान न होना पड़ता। हालाँकि वे साहब, अपना रुप लेकर स्वयं उस स्थान पर नहीं पहुँचे, बस अपना नाम भर वहाँ पहुँचाया था। इसका अमित प्रभाव देखिए, कि आपका काम हो गया। ऐसे में आप स्वयं ही निर्णय कीजिए, कि आप बड़े हुए, अथवा आपका नाम बड़ा हुआ? ठीक इसी प्रकार से जो महत्व प्रभु के नाम का है, वह प्रभु के रूप का नहीं है।

बहुत चिंतन करने पर आप पायेंगे, कि आपके रुप का भी महत्व है, लेकिन आपके नाम का जो महत्व है, उसका कोई मुकाबला नहीं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है-

'राम एक तापस तिय तारी।
नाम कोटि खल कुमति सुधारी।।'

अर्थात अवध में जन्में श्रीराम जी ने तो एक अहल्या नामक ऋषि पत्नि का कल्याण किया था। लेकिन नाम ने तो करोड़ों बिगड़े दिमागों वाले दुष्टों की बुद्धि को सुधार दिया।

अपतु अजामिलु गजु गनिकाऊ।
भए मुकुत हरि नाम प्रभाऊ।।
कहौं कहाँ लगि नाम बड़ाई।
रामु न सकहिं नाम गुन गाई।।

अर्थात नीच अजामिल, गज और गणिका भी श्रीहरि का नाम लेकर संसार से मुक्त हो गये। मैं नाम की कहाँ तक बढ़ाई करूं, राम भी नाम के गुणों को नहीं गा सकते।

10 फरवरी से शुरू होगी माघ गुप्त नवरात्रि

माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत शनिवार 10 फरवरी 2024 से हो रही है।

हिंदू धर्म में का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में शक्ति की साधना की जाती है। हिंदू धर्म के कैलेंडर के अनुसार साल में चार बार नवरात्रि का पर्व होता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि पड़ती है। पंचांग के अनुसार पहली गुप्त नवरात्रि माघ मास में और दूसरी आषाढ़ मास में पड़ती है। गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के अलावा मां भगवती दुर्गा के दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत शनिवार 10 फरवरी 2024 से हो रही है। वहीं इसका समापन रविवार 18 फरवरी 2024 को होगा। गुप्त नवरात्रि 10 फरवरी से 18 फरवरी तक पूरे 9 दिन रहेगी। गुप्त नवरात्रि माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तक चलती है। मां दुर्गा को उपासक 9 दिन तक गुप्त तरीके से शक्ति साधना व तंत्र सिद्धि करते हैं। गुप्त नवरात्रि को गुप्त साधना और विद्याओं की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि होती हैं, जिसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि होती हैं और प्रकट नवरात्रि में चैत्र नवरात्रि तथा आश्विन माह की शारदीय नवरात्रि होती है। देवी भागवत महापुराण में मां दुर्गा की पूजा के लिए इन चार नवरात्रियों का उल्लेख है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत शनिवार 10 फरवरी 2024 से हो रही है। वहीं इसका समापन रविवार 18 फरवरी 2024 को होगा। गुप्त नवरात्रि 10 फरवरी से 18 फरवरी तक पूरे 9 दिन रहेगी। गुप्त नवरात्रि माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तक चलती है।

माघ गुप्त नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

- माघ गुप्त नवरात्रि प्रतिपदा तिथि- 10 फरवरी 2024 की सुबह 04.28 मिनट से 11 फरवरी की रात्रि 12.47 मिनट तक।
- घटस्थापना शुभ मुहूर्त- 10 फरवरी 2024 की सुबह 08.45 मिनट से लेकर सुबह 10.10 मिनट तक (कुल अवधि 1 घंटा 25 मिनट)।

गुप्त नवरात्रि में साधना

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि प्रत्यक्ष नवरात्रि में मां भगवती की पूजा जहां माता के ममत्व के रूप में की जाती है तो वहीं गुप्त नवरात्रि में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा शक्ति रूप में की जाती है। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में देवी साधना किसी को बता कर नहीं की जाती है। इसलिए इन दिनों को नाम ही गुप्त दिया गया है। गुप्त नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक गुप्त अनुष्ठान किये जाते हैं। इन दिनों देवी दुर्गा के दस रूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इन नवरात्रि में देवी साधना से शीघ्र प्रसन्न् होती हैं और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। जितनी अधिक गोपनीयता इस साधना की होगी उसका फल भी उतनी ही जल्दी मिलेगा। देवी के मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी देवी, भुनेश्वरी देवी, मां धूम्रावती, बगलामुखी माता, मातंगी माता और देवी कमला की गुप्त नवरात्रि में पूजा की जाती है। मंत्र जाप, श्री दुर्गा सप्तशती, हवन के द्वारा इन दिनों देवी साधना करते हैं। यदि आप हवन आदि कर्मकांड करने में असहज हों तो नौ दिन का किसी भी तरह का संकल्प जैसे सवा लाख मंत्रों का जाप कर अनुष्ठान कर सकते हैं। या फिर राम रक्षा स्त्रोत, देवी भागवत आदि का नौ दिन का संकल्प लेकर पाठ कर सकते हैं। अखंड जोत जलाकर साधना करने से माता प्रसन्न होती हैं।

मां दुर्गा के इन स्वरूपों की होती है पूजा

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूम्रवती, माता बगलामुखी, मातंगी, कमला देवी।

सामग्री

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

मां दुर्गा की ऐसे करें पूजा

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुप्त नवरात्रि के दौरान तांत्रिक और अघोरी मां दुर्गा की आधी रात में पूजा करते हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित कर लाल रंग का सिंदूर और सुनहरे गोटे वाली चुनरी अर्पित की जाती है। इसके बाद मां के चरणों में पूजा सामग्री को अर्पित किया जाता है। मां दुर्गा को लाल पुष्प चढ़ाना शुभ माना जाता है। सरसों के तेल से दीपक जलाकर **दुं दुर्गायै नमः** मंत्र का जाप करना चाहिए।

- डा. अनीष व्यास

देश का सबसे प्राचीन मंदिर, देवी की चरणों को स्पर्श करने खुद आए सूर्य देव

देश में कई प्राचीन मंदिर हैं। उत्तराखंड में चार धाम तो दक्षिण भारत के रामेश्वरम में आपको ऐसे कई मंदिर मिल जाएंगे। पूरब में कोणार्क के सूर्य मंदिर की भी गिनती प्राचीनतम मंदिरों में होती है। लेकिन, आज बात हो रही पश्चिमी भारत के महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित अंबाबाई माता मंदिर की।

यह करीब 1300 साल पुराना माता का मंदिर है। यह देश का संभवत: एक मात्र मंदिर है जहां साक्षात सूर्य देव साल में दो बार माता का दर्शन करने आते हैं। यह माता के 51 के शक्तिपीठों में से एक है। गत बुधवार से यहां किरणोत्सव चल रहा है। इसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। दरअसल, इस मंदिर की वास्तुकला अद्भूत है। इसके गर्भ गृह का निर्माण कुछ इस तरह किया गया है कि 31 जनवरी और एक व दो फरवरी को सूर्य की किरणें मां के चरणों को स्पर्श करती हैं। इसे उत्सव के तौर पर मानाया जाता है। इसे किरणोत्सव कहा जाता है। यह तस्वीर दूसरे दिन की है। मंदिर प्रबंधन समिति ने इसे जारी किया है। तस्वीर में स्पष्ट दिख रहा है कि सूर्य की किरणें मां के शरीर के आधे भाग तक पहुंच रही है।

जनवरी से पहले नवंबर महीने की 9, 10 और 11 तारीख को सूर्य की किरणें मां के चरणों को स्पर्श करती हैं। पहले दिन ये किरणें मां की चरण को छूती है। फिर दूसरे दिन किरणें कमर तक आती हैं और तीसरे दिन यह मां के चेहरे को आलोकित करती है। इस साल भी 31 जनवरी यानी बुधवार को सूर्य किरणें मां की चरणों तक पहुंच गई। इस मौके पर बुधवार को कोल्हापुर में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। हालांकि ऐसी आशंका जताई गई थी कि इस बार बादल की वजह से किरणें स्पष्ट तौर न पहुंचे लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इस मंदिर में मां अपनी तीनों रूपों में मौजूद हैं। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में महालक्ष्मी हैं, जबकि बाएं और दाहिने गर्भगृह में क्रमश: महाकाली और महासरस्वती के विग्रह हैं। मंदिर में मां की मूर्तियां काले पत्थरों से बनी हैं। हाल ही में अयोध्या में स्थापित भगवान राम की मूर्ति भी काले पत्थर से बनाई गई है। इस मंदिर की मान्यता पूरे देश में है। यहां पूरे देश के श्रद्धालु मां के दर्शन करने आते हैं। अहम बात यह है कि रात नौ बजे मां के शयन का वक्त होता है। उस समय एक घंटे की निद्रा आरती के बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं। फिर अगली सुबह में आरती के बाद ही मां के दर्शन किए जा सकते हैं।

आंगन में लगाया नीम का पेड़ तो पितृ दोष से मिलेगी मुक्ति, शनि-केतू ग्रह भी होंगे शांत

नीम का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है। वहीं इसका आध्यात्मिक रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। जहां इसके पत्ते हमारे शरीर और चेहरे को फायदा करते हैं, वहीं इन पत्तों का इस्तेमाल विशेष पूजा में भी किया जाता है। यहीं नहीं, नीम के पेड़ की लकड़ी भी कई तरह से इस्तेमाल की जाती है। स्पष्ठुद्य 18 के साथ बातचीत में उत्तराखंड के ऋषिकेश निवासी पुजारी प्रकाश चंद्र जोशी बताते हैं कि नीम का प्रयोग सदियों से चला आ रहा है।जहां औषधि के रूप में इसका इस्तेमाल किया जाता है, वहीं इसका पूजा और हवन आदि में भी विशेष महत्व है।

उन्होंने बताया कि यह शरीर के रोगों के साथ ही ग्रह में बैठे कई दोषों को भी दूर करता है। यह राहु की दशा के साथ ही शनि की दशा को भी दूर करता है। वहीं इसके पत्तों का जल निकालकर नहाने वाले पानी में मिलाकर नहाने से कुंडली में केतु ग्रह शांत होता है। इसके साथ ही घर के आंगन में नीम का पेड़ लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यहीं नहीं घर के आंगन में इसे लगाने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

घर में नीम का पेड़ लगाने का फायदे

प्रकाश जोशी बताते हैं कि अगर आपकी राशि में पितृदोष है, तो घर के दक्षिण दिशा में इसका पेड़ लगाने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ ही इसके पत्तों का रस निकालकर नहाने के पानी में मिलाकर नहाने से केतु ग्रह शांत होता है और इसकी लकड़ियों को हवन कुंड में जलाने से शनि ग्रह शांत होता है।

किस देवता को पसंद है गेंदे का फूल

आपने अक्सर मंदिरों में या पूजा-पाठ में गेंदे के फूल और उसकी माला का उपयोग करते हुए देखा होगा। अपने घर में भी जब कोई धार्मिक कार्य होता है तो आप भी गेंदे के फूल से बनी माला लाते होंगे। वैसे तो गुलाब के फूल भी पूजा में इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी गेंदे के फूल के महत्व के बारे में सोचा है कि आखिर क्यों पूजा में इसका इतना अधिक प्रयोग किया जाता है?

हिंदू धर्म में सभी फूलों की अलग महत्ता बताई गई है। ऐसे ही गेंदे के फूल का भी अपना अलग महत्व है। पूजा-पाठ से लेकर शादी-विवाह, कलश स्थापना, गृह प्रवेश आदि जैसे शुभ कार्यों में किया जाता है। गेंदे के फूल से जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। लाल फूल मां दुर्गा, सफेद फूल भगवान शिव को अर्पित किया जाता है तो वहीं, पीला फूल भगवान विष्णु को चढ़ाया जाता है।

सिखाता है नेतृत्व के गुण

ऐसा कहा जाता है कि भगवान को गेंदे के फूल अर्पित करने से बुद्धि, ज्ञान और धन लाभ होता है। गेंदे के फूल की सबसे खास बात ये है कि यह मनुष्य के अहंकार को कम करता है और इसका केसरिया रंग त्याग और मोह-माया से दूरी को दर्शाता है। यह फूल व्यक्ति को अच्छे नेता के गुण भी बताता है कि कैसे एक अच्छा नेता हजारों लोगों को लेकर अपने साथ जोड़ते हुए चलता है। इसके साथ ही गेंदे के फूलों की माला भी शुभता के लिए घर के द्वार पर लगाई जाती है।

किस देवता को चढ़ाएं गेंदे का फूल?

धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु को गेंदे का फूल अर्पित करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। गणपति बप्पा का पूजा में भी गेंदे के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गेंदे के फूल की हर पंखुड़ी में अलग-अलग देवी-देवताओं का वास होता है। इसी वजह से हिंदू धर्म में गेंदे के फूल का विशेष महत्व माना जाता है।

भगवान हनुमान की माता अंजनी किसके श्राप से अप्सरा से बन गई वानर?

भगवान हनुमान की वीरता के किस्से आपने सुने होंगे। उनके जन्म से लेकर राम मिलन तक की पौराणिक कथा भी आपने सुनी होंगी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हनुमान जी की माता अंजनी को एक ऐसा श्राप मिला जिसकी वजह से वे अप्सरा से वानर बन गयी थीं? कहते हैं बजरंबली को जन्म देने वाली उनकी माता अंजनी में देवराज इंद्र के दरबार में अप्सरा थीं। वे अति सुंदर और चंचल स्वभाव की थीं।आइए इस श्राप के पीछे की पौराणिक कथा विस्तार से जानते हैं।

क्यों मिला था माता अंजनी को श्राप?

एक बार स्वर्ग में देवराज इंद्र ने एक सभा आयोजित की जिसमें ऋषि दुर्वासा भी पहुंचे। सभा में विचार-विमर्श भी चल रहा था, उसी दौरान एक पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा इधर से उधर चक्कर लगा रही थी। अप्सरा की वजह से अव्यवस्था होने लगी। ऋषि दुर्वासा को अप्सरा का ये व्यवहार अच्छा नहीं लगा और कई बार टोकने पर भी अप्सरा पुंजिकस्थली नहीं मानीं। इसके बाद क्रोध में आकर उन्होंने अप्सरा को श्राप दे दिया कि 'जैसे तू देव-अप्सरा होकर भी वानरियों की तरह सभा में रुकावट पैदा कर रही है, उसी तरह तू भी वानरी हो जाएगी।' ऋषि के इस श्राप के कारण पुंजिकस्थली श्रापित हो चुकी थीं। दुर्वासा ऋषि से माफी मांगने के बाद पुंजिकस्थली ने पूछा कि 'मुझे क्षमा कर दीजिए, ये मेरी भूल थी।। कृपया मुझे इस श्राप से निकलने का कोई रास्ता बताइए'।

माता अंजनी के रूप में लिया पुनर्जन्म

अप्सरा की विनती करने पर ऋषि दुर्वासा ने कहा, 'अपनी चंचलता के कारण अगले जन्म में तू वानर जाति में पैदा होगी। देव-सभा की अप्सरा होने की वजह से तेरे गर्भ से एक महान बलशाली, यशस्वी और प्रभु-भक्त बालक का जन्म होगा।' इस श्राप की वजह से ही अगले जन्म में अप्सरा ने राजा विराज की कन्या के रूप में जन्म लिया, जहां उनका नाम अंजनी पड़ा। उनका विवाह राज केसरी के साथ हुआ और उसी जन्म में उन्होंने वीर बलवान बजरंग हनुमान को जन्म दिया।

एक और कथा पैराणिक कथा

एक पौराणिक कथा के अनुसार, अंजनी बचपन से ही नटखट थीं। एक बार जब वो जंगल में खेलने के लिए गईं, तब वहां एक ऋषि तपस्या कर रहे थे। अंजनी ने पेड़ से फल तोड़कर तपस्या में लीन ऋषि के ऊपर फेंका, जिसके कारण ऋषि की तपस्या भंग हो गई। अंजनी से क्रोधित होकर ऋषि ने उनको श्राप दे दिया कि कि वानरों जैसी हरकतें करने पर तू भी अलगे जन्म में वानर का रूप लेगी। कहा जाता है कि इसी श्राप के कारण मां अंजनी एक वानरी बन गईं।

बरखा सिंह ने बताया कैसे वेब कंटेंट ने दी कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान!

बरखा सिंह ने अपने आप को भारतीय कंटेंट की दुनिया में एक बहुत ही आशाजनक नाम के रूप में स्थापित किया है। अलग-अलग माध्यमों और कंटेंट फॉर्मेट में काम करके, उन्हें हर सीज़न में अपना एक अलग ही मुकाम बनाया है।

उनकी एक्टिंग स्किल्स के साथ, बरखा को वेब की सबसे बड़ी फीमेल स्टार के रूप में भी जाना जाता है। जब डिजिटल कंटेंट का ट्रेंड शुरू हुआ था, तब से ही बरखा वेब की ओजी स्टार रही हैं। उनकी हर परफॉर्मेंस उनके फैंस को इंप्रेस करती है और उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई है। बरखा सिंह ने वेब वर्ल्ड को ऐसे टाइमलेस और रिलेटेबल रत्न दिए हैं जो वक्त के साथ आगे बढ़कर आज हम जो देखते हैं उसमें बदल गया है। वो बिना शक एक सबसे बड़े बॉर्न-ऑन-वेब स्टार्स में से एक हैं और उनका ये मानना है कि वेब कंटेंट ने कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर एक्सपोजर दिया है। उन्हें पूरी दुनिया से मिलने वाले रिएक्शन देख कर बहुत आश्चर्य होता है। उनकी परफॉर्मेंस ने ना सिर्फ भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर भी उन्हें पहचान दिलाई है, और ये दिखाता है कि कैसे डिजिटल कंटेंट ने दुनिया भर के दर्शकों को एक-दूसरे के नजरिए से लाया है। इस पर अपने विचार साझा करते हुए, बरखा कहती हैं, मेरा मानना है कि, वेब कंटेंट और प्लेटफार्मों ने कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोज़र दिया है। हमें अपनी कला को देखने के लिए खुद एक दूसरे देश में रहने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि दुनिया पहले से ही देख रही है। आमतौर पर कंटेंट में बदलाव होता है जहां सेटिंग और आधार आम जीवन के बहुत करीब होता है .. लेकिन मूल भावनाएं यूनिवर्सल हैं और इसी तरह से किरदार भी। मुझे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उन लोगों से सराहना मिलती हैं, जिन्होंने कई अलग-अलग देशों से मेरे कंटेंट देखें। मैं ऐसी फिल्मों और शो का हिस्सा बनकर बेहद भाग्यशाली महसूस करती हूं जो सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं और सीमाओं को तोड़ते हैं।

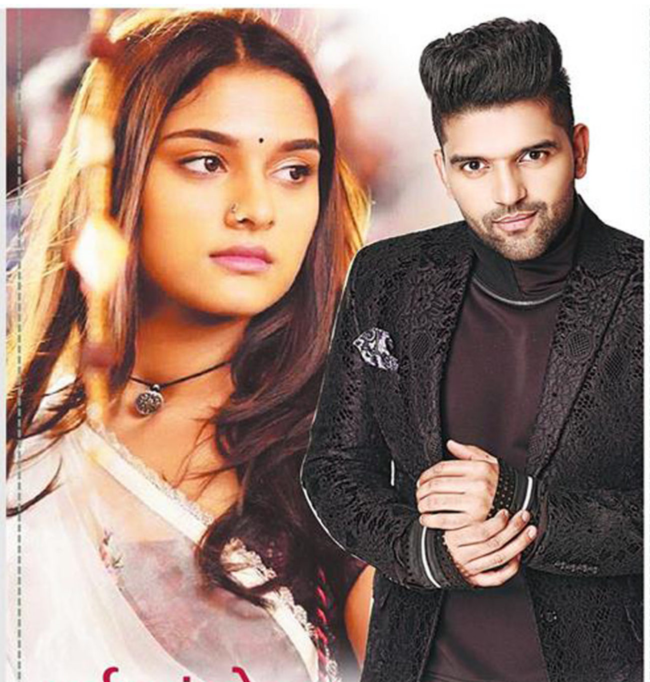

सई मांजरेकर संग रोमांस करते दिखेंगे गुरु रंधावा

सिंगर गुरु रंधावा अब फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' से एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर रिलीज किया। इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में गुरु के अपोजिट सई एम मांजरेकर नजर आएंगी। फिल्म 16 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कहानी में हो सकता है प्रेग्नेंसी का भी एंगल

इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म की कहानी आगरा में सेट है। फिल्म के टीजर में दिखाया है कि आगरा के रहने वाले गुरु और सई एक दूसरे से प्यार करते हैं पर उनकी लव स्टोरी में एक ट्विस्ट है। टीजर देखकर ऐसा अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म की कहानी में प्रेग्नेंसी का भी एंगल होगा।

कई फिल्मों में स्पेशल अपीयरेंस दे चुके हैं गुरु

फिल्म में गुरु और सई के अलावा अनुपम खेर और ईला अरुण जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। सई की यह तीसरी हिंदी फिल्म होगी। वो इससे पहले 'दबंग 3' और 'मेजर' में नजर आ चुकी हैं। वहीं गुरु भी इससे पहले हिंदी मीडियम, ब्लैकमेल और टाइम टू डांस जैसी फिल्मों के गानों में स्पेशल अपीयरेंस दे चुके हैं।

इससे पहले 'भागमति' बना चुके हैं अशोक

इस फिल्म को अमित और लवीना भाटिया ने प्रोड्यूस किया है। वहीं इसके डायरेक्टर जी. अशोक हैं। अशोक इससे पहले साउथ में अनुष्का शेट्टी स्टारर सुपरहिट फिल्म 'भागमति' बना चुके हैं। बॉलीवुड में उन्होंने भूमि पेडनेकर के साथ 'दुर्गामति' नाम से इसका रीमेक बनाया था।

मेरे परिवार का मानना है कि डांस दीवाने को जज करना मेरा सबसे अच्छा फैसला है

एक्टर सुनील शेट्टी, जो डांस दीवाने में जज के रूप में नजर आने के लिए तैयार हैं, ने साझा किया कि उन्हें अपनी मां, पत्नी माना, बेटी अथिया और बेटे अहान से जबरदस्त सपोर्ट मिला है। शो के जरिए अपने करियर में बदलाव लाने पर सुनील ने खुलासा किया कि यह उनके परिवार का इसमें आकर्षण था, जिसने उन्हें डांस बैटल के जज की सीट तक पहुंचाया। मोहरा फेम एक्टर ने कहा- कई लोगों का मानना है कि यह शायद सबसे अच्छा फैसला है जो मैंने लिया है। मेरी मां ने भी ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उन्हें यह शो बहुत पसंद है। मेरी पत्नी, बेटी, बेटे और दोस्तों ने भी यही बात कही। हालांकि, शुरू में, मुझे इस फैसले पर संदेह था। उन्होंने कहा, जब शो की टीम मेरे पास आई तो मैंने पूछा, मैं ही क्यों? मैं शायद डांस के मामले में देश में सबसे ज्यादा अनाड़ी हूं। टीम ने बताया कि वे इस डांस दीवाने के साथ इस सोच को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा आप बस दीवाने बनके एप्रिशिएट करो जो आपको अच्छा लगता है, इससे मैं कंफर्टेबल हो गया। सुनील ने प्लेटफॉर्म, शो और को-जज माधुरी दीक्षित को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैंने इस बदलाव को अपनाया। डांस दीवाने हर उम्र के डांसर्स के लिए सबसे ग्रैंड स्टेज पेश करने वाला है।

दूसरी पारी में दर्शकों को क्रेजी बनाने में सफल हुए बॉबी, अब दक्षिण में जमाएंगे रंग

एनिमल में लिमिटेड टाइम के लिए स्क्रीन पर नजर आए बॉबी देओल का क्रेज जिस तरह सोशल मीडिया पर फैला है, उससे शायद ही कोई बच पाया हो। अपने करियर के शुरूआती दौर में सोल्जर से सबके दिनों पर छा जाने वाले बॉबी, अपनी दूसरी पारी में इस तरह दर्शकों को क्रेजी बना रहे हैं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

एनिमल में विलेन अबरार के रोल में भौकाल मचाने वाले बॉबी अपने करियर की इस नई रफ्तार को बहुत एन्जॉय कर रहे हैं। फिल्ममेकर्स भी बॉबी को नए तरीके से रीडिस्कवर कर रहे हैं और उन्हें विलेन के रोल खूब ऑफर किए जा रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक, एनिमल स्टार बॉबी के आने वाले प्रोजेक्ट्स में कई ऐसी फिल्में हैं जिन्हें देखने का इंतजार कर पाना जनता के लिए भारी हो रही है।

कंगुवा

साउथ स्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा में बॉबी देओल विलेन का रोल निभा रहे हैं। हाल ही में बॉबी देओल के बर्थडे पर इस फिल्म से उनका फर्स्ट लुक शेयर किया गया था और इस लुक के लिए भयानक भी थोड़ा छोटा शब्द लगता है। कंगुवा में बॉबी के किरदार का नाम उधिरन है, तबील के इस शब्द का मतलब होता है खून की तरह लाल। किरदार का नाम ही बता रहा है कि कंगुवा में बॉबी क्या करने वाले हैं।

हरिहर वीर मल्लू

तेलुगू इंडस्ट्री के बड़े स्टार्स में से एक पवन कल्याण की ये पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म, हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज होनी है। मुगल काल पर बेस्ड इस फिल्म में बॉबी देओल, औरंगजेब का किरदार निभाने वाले हैं। फिल्म में वो एक बार फिर से विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं।

NBK109

तेलुगू सिनेमा के सबसे बड़े मास स्टार्स में से एक, नन्दामुरी बालकृष्ण की अगली फिल्म में भी बॉबी विलेन का रोल करने जा रहे हैं। भगवंत केसरी फेम बालकृष्ण की फिल्म से हाल ही में पोस्टर रिलीज किया गया, जिसमें टैगलाइन थी- ब्लड बात का पहला नाम। ऐसी फिल्म में बॉबी का विलेन किरदार क्या करता दिखेगा, ये सोचकर ही उनके फैन्स एक्साइटेड हो जाएंगे।

श्लोक- द देसी शरलॉक

डायरेक्टर कुणाल कोहली की इस स्पाई-थ्रिलर में बॉबी देओल हीरो के रोल में हैं। फिल्म से अनन्या बिरला एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म का शूट 2022 में पूरा हो चुका है और ये रिलीज के लिए तैयार है। जल्द ही इसकी रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी आ सकती है।

पेंटहाउस

हमराज में बॉबी देओल के साथ काम कर चुकी डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मस्तान की फिल्म पेंटहाउस भी काफी समय से बनकर तैयार है। इसमें बॉबी देओल के साथ, अर्जुन रामपाल, शरमन जोशी और मौनी रॉय जैसे एक्टर्स हैं। खिलाड़ी, बाजीगर, सोल्जर और रेस जैसी दमदार थ्रिलर्स डायरेक्ट कर चुके अब्बास-मस्तान इस फिल्म से ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ये फिल्म पहले नेटफ्लिक्स पर आने वाली थी, मगर एनिमल की कामयाबी के बाद जियो सिनेमा ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई है और वो मेकर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं।

आश्रम 4

बॉबी की सेकंड इनिंग्स को सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी, प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम से ही मिली। रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉबी जल्द ही अपने सबसे चर्चित किरदारों में से एक, बाबा निराला के रोल में आश्रम 4 लेकर आने के लिए तैयार हैं, ये सीरीज इसी साल रिलीज हो सकती है।

आर्यन खान की वेब सीरीज

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। वो एक वेब सीरीज स्टारडम पर काम कर रहे हैं, जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर ही बेस्ड है।

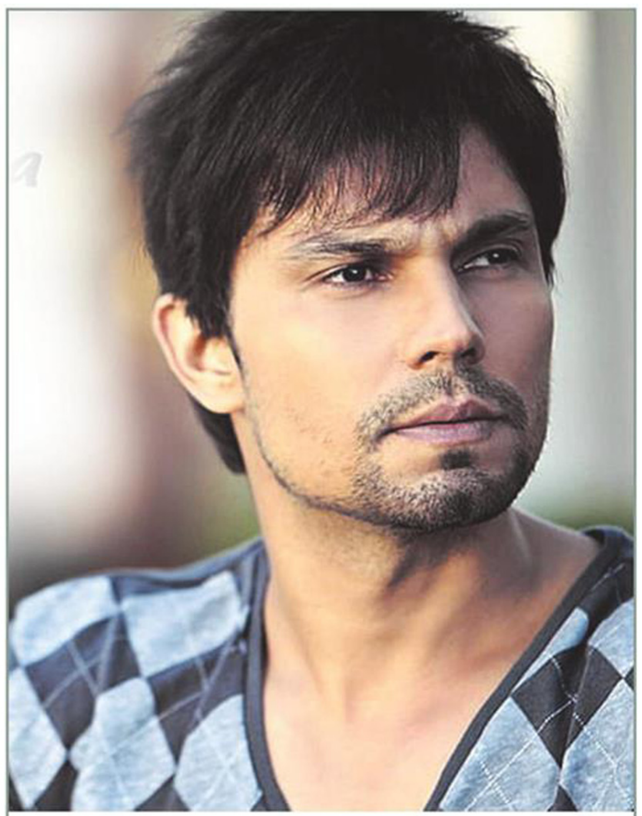

22 मार्च को रिलीज होगी रणदीप हुड्डा की 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर'

रणदीप हुड्डा ने मंगलवार को अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की रिलीज डेट अनाउंस की। यह फिल्म इस साल शहीद दिवस के मौके पर 22 मार्च को दो भाषाओं हिंदी और मराठी में रिलीज होगी। इस फिल्म से रणदीप डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे। इसके साथ ही वो इसमें लीड रोल प्ले करते भी नजर आएंगे।

गद्दार, आतंकवादी या हीरो?

फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करते हुए रणदीप ने एक टीजर रिलीज किया है। टीजर की शुरुआत महात्मा गांधी के भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' की धुन से होती है जिसके बाद अचानक सावरकर का जिक्र करने वाला रैप सॉन्ग शुरू हो जाता है। बैकग्राउंड में रणदीप की वॉइस आती है जिसमें वो कहते हैं, 'मुझे गांधी से नहीं, अहिंसा से नफरत है..।' एक चर्चा में रहा, एक इतिहास से हटा दिया गया इस टीजर को शेयर करते हुए रणदीप ने लिखा, 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दो नायक; एक का नाम चर्चा में रहा और एक को इतिहास से हटा दिया गया। ।शहीददिवस 2024 पर - इतिहास फिर से लिखा जाएगा। 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर'- 22 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

पिछले साल रिलीज हुआ था टीजर

इस फिल्म में रणदीप के अलावा मशहूर टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और अमित सियाल भी अहम रोल में नजर आएंगे। मेकर्स ने पिछले साल इसका टीजर रिलीज किया था। फिल्म को रणदीप हुड्डा ने को-प्रोड्यूस भी किया है।

सलार के बाद प्रभास ने काम से लिया ब्रेक

प्रभास अपनी फिल्म सलार से मिली प्रतिक्रिया से काफी खुश हैं। सलार की सफलता कई मायनों में उनके लिए खास हैं, क्योंकि इससे पहले बैक-टू-बैक प्रभास की तीन फिल्में असफल हो गई थीं। साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म सलार ने एक के बाद एक कई रिकॉर्ड बनाए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए। इस फिल्म की सफलता से अभिनेता प्रभास ने एक बार फिर अपनी सुपरस्टार छवि को साबित किया। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। अब चर्चा है कि प्रभास काम से एक छोटा सा ब्रेक ले रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रभास अपनी फिल्म सलार से मिली प्रतिक्रिया से काफी खुश हैं। सलार की सफलता कई मायनों में उनके लिए खास हैं, क्योंकि इससे पहले बैक-टू-बैक प्रभास की तीन फिल्में असफल हो गई थीं। सलार की सफलता ने प्रभास को एक नई ऊर्जा मिली है। यही वजह है कि वह ब्रेक लेना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि इस दौरान प्रभास अपने करियर को लेकर भी मंथन करेंगे और इसे आगे कैसे ले जाया जाए इस पर भी विचार करेंगे। इस दौरान प्रभास अपनी एक सर्जरी के लिए यूरोप जा सकते हैं, क्योंकि वे अपनी एक चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं। इसके बाद मार्च में प्रभास फिर से काम शुरू करेंगे।

वाईआरएफ के साथ मिलकर फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के शानदार निर्देशकों में मोहित सूरी का नाम भी जरूर शामिल किया जाता है। अपनी थ्रिलर और रोमांटिक फिल्मों से उन्होंने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके मोहित को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक ने कथित तौर पर एक युवा प्रेम कहानी के लिए आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स के साथ हाथ मिलया है।

यह फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार मोहित एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व में यशराज फिल्म्स के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। यह यशराज कंपनी के सीईओ अक्षय विधानी के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। सूत्रों के मुताबिक मोहित सूरी के निर्देशन में बनने जा रही इस फिल्म को युवा दर्शकों को खास ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। मोहित इस शैली में काफी माहिर हैं, जिसकी वजह से माना जा रहा है कि नई पीढ़ी का दिल जीतने में यह फिल्म कामयाब रहेगी।

भूमि पेडनेकर की नई फिल्म 'भक्षक' ओटीटी पर होगी रिलीज

यशराज फिल्म्स की फिल्म 'दम लगाके हइशा' से बड़े परदे पर लॉन्च हुई अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की नई फिल्म 'भक्षक' सीधे ओटीटी पर रिलीज हो रही है। शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म भक्षक में भूमि पेडनेकर एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म भक्षक साल 2018 में सामने आए बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम रेप कांड की याद दिलाती है, हालांकि फिल्म के निर्देशक पुलकित का मानना हैं कि इस फिल्म में जो घटनाक्रम दिखाए गए हैं, वह सिर्फ बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम रेप कांड की घटना नहीं है, बल्कि इस तरह की देश में घटने वाली कई घटनाओं को दिखाया गया है। फिल्म भक्षक में तेज तर्रार पत्रकार की भूमिका निभा रही अभिनेत्री भूमि पेडनेकर कहती हैं, इस तरह की घटनाएं हर दूसरे महीने अखबार में पढ़ने को मिलती हैं। यह किसी की जिंदगी की घटना हमारे लिए महज एक न्यूज बन कर जाती है। ऐसी बच्चियों के साथ यह घटनाएं हो रही हैं, जिसके आगे पीछे कोई नहीं है। ऐसी कहानियां मेरी जिंदगी का हिस्सा हैं। जब मैं फिल्म सोनचिरैया की शूटिंग कर रही थी तो मैंने चंबल में एक आश्रम को गोद लिया था। उस फिल्म में खुशी का किरदार जिस लड़की ने निभाया है, वह उस आश्रम से ही है। मैं पिछले पांच वर्षो से इस क्षेत्र में काम कर रही हूं। फिल्म दम लगा के हईशा के बाद भूमि पेडनेकर फिल्म भक्षक में एक बार फिर संजय मिश्रा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। वह कहती हैं, संजय मिश्रा मेरे लिए लकी चार्म हैं, करियर के शुरुआत में आपकी जिंदगी से जो लोग जुड़े होते हैं वह आपके लिए बहुत स्पेशल होते हैं। जब गौरव वर्मा (फिल्म के निर्माता) ने बताया कि फिल्म में संजय मिश्रा है तो उनके साथ एक बार फिर काम करने के लिए बहुत ही उत्साहित थी। फिल्म में वह एक अकेले इंसान हैं, जो यह समझते हैं कि मैं क्या करना चाहती हूं?

फिल्म भक्षक का निर्देशन पुलकित ने किया है। वह कहते हैं, इस फिल्म में जो घटनाक्रम दिखाए गए हैं, वह किसी एक घटना से प्रेरित नहीं है। इस फिल्म में देश की ऐसी तमाम घटनाओं को दिखाया गया है। उम्मीद है कि कि यह फिल्म कहीं ना कहीं बदलाव लाएगी। मेरे घर पर ऐसी घटनाएं हो तो मुझे दुख होता है, लेकिन बाकी बच्चियों के साथ अगर ऐसा हो तो दुख क्यों नहीं होता है? इसी सोच मुझे इस फिल्म को बनाने की प्रेरणा मिली। मैं ऐसी कई बच्चियों से मिला हूं जो इस घटना की शिकार हुई हैं।

घरों में शीघ्र पहुंचेंगे 40639 मतदाता पहचान-पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में मतदाता फोटो पहचान पत्रों के वितरण को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विवेकानंद मिश्र ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में नियत कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 23 जनवरी 2024 को जनपद में अवस्थित समस्त मतदेय स्थलों पर किया गया है, जिसमें फार्म-6 एवं फार्म-8 के सापेक्ष 1,62,046 मतदाता फोटो पहचान पत्रों की पी0डी0एफ0 डाउनलोड कर प्रिन्टिंग के लिए समय-समय पर सम्बन्धित फर्म के एफ0टी0पी0 सर्वर पर अपलोड की गयी। उक्त 1,62,046 मतदाता फोटो पहचान पत्रों की अपलोड की गयी पीडीएफ के सापेक्ष सम्बन्धित फर्म द्वारा 40,639 मतदाता पहचान पत्र मुद्रित कर जनपद को उपलब्ध कराये गये हैं।

जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि संबंधित फर्म द्वारा 40,639 मतदाता पहचान पत्र जो उपलब्ध कराए गए हैं, उनको सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्राप्त पकराकर डाक विभाग के माध्यम से वितरण की कार्यवाही की जाए एवं अवशेष 1,21,407 मतदाता फोटो पहचान पत्र निकट भविष्य में सम्बन्धित फर्म से मुद्रित कराकर प्राप्त करते हुए, वितरण की कार्यवाही डाक विभाग के माध्यम से तत्समय करायी जाये। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि अवशेष उक्त मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र जल्द ही भविष्य में प्राप्त करा दिया जायेगा।

भाजपा के 'गांव चलो' अभियान का शुभारंभ

सभी मंडलों में होगा कार्यशाला का आयोजन : मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-56 में भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के सरस्वती शिशु मंडल के अंतर्गत गाँव चलो अभियान का शुभारंभ नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया। आगामी लोक सभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी 8 मंडलों में इस कार्यशाला का आयोजन प्रारंभ कर दिया है। जिसकी शुरुआत सरस्वती शिशु मंडल से हो गई है! महाराणा प्रताप मंडल में महामंत्री उमेश त्यागी और सैनिक विहार मंडल में उपाध्यक्ष गिरजा सिंह रही। इस अभियान के द्वारा सभी कार्यकर्ता अपने सेक्टरों के गांवों में जाकर के सभी मतदाताओं को जागरूक करेंगे ।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष महेश अवाना, मंडल प्रभारी सचिन अंबावत, मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण महावर, शहरी विकास मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ प्रसनजीत मैत्रा, भाजयुमो क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनील नागर, भाजयुमो जिला महामंत्री मोहित शर्मा, पूनम सिंह, शीतल शुक्ला, अमित नागपाल, संतोष खंडूड़ी, सुभाष शर्मा, किशन बेनिवाल, मिनाक्षी चौहान, अनिमेष, पुष्पा रावत, गोपालसिंह, माया रावत, परमिंदर राघव, निखिल पंडित, मनोज भारद्वाज आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सराहनीय बजट : डॉ. डी.के. गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को नए संसद भवन में वर्ष 2024-25 का बजट संसद में पेश किया। अपने बजट में उन्होंने हेल्थ सेक्टर के लिए भी कई तरह की घोषणा की है। इसका हेल्थ एक्सपर्ट ने स्वागत किया है।

डॉ. डी. के. गुप्ता

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता का कहना है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्य कर, देश को सशक्त बनाने वाली आशा (मितानिन) और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए केंद्र सरकार के अंतरिम बजट में बड़ी घोषणा की गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। जिससे इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा।

इसके साथ ही भारत में मिशन इंद्रधनुष योजना के तहत टीकाकरण के लिए यू-विन प्लेटफॉर्म लॉन्च किए जाने की घोषणा की गई। इससे बच्चों के टीकाकरण को और बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। जिससे उनका कई तरह की बैक्टीरियल और वायरस से होने वाली बीमारियों से बचाव हो जाएगा। सरकार 9 से 14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगने वाली एचपीवी वैक्सीन को उपलब्ध कराएगी। इस वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामलों की रोकथाम हो सकेगी। यह कदम सराहनीय है।

पीपीपी मॉडल के तहत संचालित होंगे 4 डॉग शेल्टर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की ओर से एनिमल शेल्टर सेक्टर-94 के संचालन की सीईओ लोकेश एम ने समीक्षा की। साथ ही नोएडा में बनाए गए चारो डॉग शेल्टर के संचालन के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर डीजीएम एसपी सिंह, परियोजना अभियंता आर के शर्मा के अलावा कंसलटेंट कंपनी मौजूद रही।

बैठक में कंसलटेंट कंपनी की ओर से सेक्टर-94 एनिमल शेल्टर को लेकर एक प्रस्तुती दी गई। जिसमें एनिमल शेल्टर में शेड, भवन, आपरेशन थियेटर, भूसा गोदाम के दोबारा से निर्माण की जानकारी के साथ यहां ड्रेनेज, लाइटिंग व्यवस्था में कैसे सुधार लाया जा सकता है। इसके बारे में जानकारी दी गई। वहीं आल क्रियेचर्स ग्रेट एंड स्मॉल के प्रतिनिधि अंजली गोपालन ने बताया कि शैल्टर के सभी पशुओं में चिपिंग लगाई गई है। जिससे उनके इलाज, खान-पान व वार्षिक टीकाकरण का समय बद्ध तरीके से नियंत्रण किया जा सके। सीईओ ने बैठक में एनिमल शेल्टर में जानवरों और पक्षियों के समयानुसार इलाज, खान-पान व उनके नियमित जांच आदि का रिकार्ड देखा। निर्देश दिया कि प्रति सप्ताह इसकी रिपोर्ट उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए। वहीं नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-34,50,93 व 135 में डॉग शेल्टर के स्ट्रें डॉग के एंटी रैबीज वैक्सीनेशन किए जाने के लिए बनाए गए है।

इन शेल्टरों को चलाने के लिए दे एजेंसी जिसमें हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स के प्रतिनिधि संजय महापात्रा, वंसुधरा एनिमल वेलफेयर के ट्रस्ट के प्रतिनिधि गौरव धर ने अपना प्रेजेंटेशन दिया। अब इन शेल्टरों के संचालन के लिए अलग से ईओआई जारी की जाएगी। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण व सुविधाओं का निर्माण नोएडा प्राधिकरण की ओर से किया जाएगा। जबकि इन डॉग शेल्टरों का संचालन कंपनी को सीएसआर फंड या पीपीपी मॉडल पर करना होगा। एजेंसी का चयन 3 साल के लिए किया जाएगा। इसके अलावा संतोषजनक जवाब मिलने पर ये बांड 2 साल में समाप्त कर दिया जाएगा।

आप ने बजट को बेहद निराशाजनक बताया

अयोध्या। संसद में जो अंतरिम बजट पेश किया गया वह बेहद निराशाजनक एवं जुमला बजट है क्योंकि इस बजट में महंगाई कैसे कम होगी और बेरोजगारी की दर कैसे घटेगी इस पर कोई चर्चा ही नही की गई। ये बाते आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व अयोध्या जिला प्रभारी संजीव निगम ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुये कही है।

संजीव निगम

राकेश अवाना

संजीव निगम ने कहा कि मोदी सरकार अति विश्वास में कह रही है कि जुलाई में आकर हम फिर पूर्ण बजट पेश करेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि इस सरकार ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया है और देश की जनता चुनावों के माध्यम से इसका जवाब देगी। इस जुमलों वाली सरकार की विदाई की पूरी गारंटी है

आम आदमी पार्टी के जनपद गौतमबुद्धनगर के जिला महासचिव राकेश अवाना का कहना है कि यह बजट पूरी तरह जनविरोधी है। महंगाई पर अंकुश लगाने की कोई घोषणा नहीं की गई। किसानों, युवाओं, गरीबों के लिए कोई घोषणा नहीं की गई। ऐसे में मोदी सरकार का यह अंतरिम बजट चुनावी बजट है जिसका आम आदमी से कोई लेना-देना नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष से मिले किसान, मिला आश्वासन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन मंच का 31 सदस्य प्रतिनिधि मंडल गौतमबुद्धनगर कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से मिला। इसके पश्चात प्रतिनिधि मंडल भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता से मिला और वर्तमान के घटनाक्रम से अवगत करवाया। दोनों ही मीटिंग में नोएडा के किसानों के मुद्दे को सरकार, प्रशासन,जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उच्चतम स्तर तक ले जाने व समाधान की बात हुई। मांगो को लागू किए जाने के संबंध में भी विचार विमर्श हुआ।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन मंच इसके पश्चात लोगों से संवाद स्थापित करेगा और समाधान के हर रास्तों को तलाशने की कोशिश करेगा और संघर्ष में रहेगा।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने शासन, प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के संवाद के माध्यम से काम होने की उम्मीद जताई ।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन मंच के संरक्षक सुरेंद्र प्रधान, सूरज प्रधान, चरण सिंह प्रधान, मुनेश प्रधान, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान, महासचिव गौतम लोहिया, यूथ किंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष चौहान, नीरज त्यागी, रिंकू यादव, रोहतास चौहान, फिरे चौहान, विमल त्यागी, प्रिंस भाटी, तरुण भाटी, तेज सिंह चौहान एवं गजेंद्र बसोया आदि किसान मौजूद रहे।

बजट में कई खामियां, फिर भी संतोषजनक : विकास जैन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि इस बजट में व्यापारियों और उद्यमियों के लिए कोई ख़ास घोषणा नहीं की गई परंतु रियल स्टेट और हेल्थ सेक्टर के लिए बहुत सारी नई उम्मीद सरकार ने दिखाई है।

बजट में मेट्रो प्रोजेक्ट बढ़ने से व्यापार करने मे सहायता मिल सकती है। प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंघल ने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर में ब्याज दर में छूट देने से जनता को प्रत्यक्ष रूप से सहायता मिलेगी। प्रदेश महामंत्री प्रवीन गर्ग ने कहा कि इस बजट में इनकम टैक्स स्लैब में छूट बढ़ाना चाहिए था जिसकी वजह से हमें निराशा हाथ लगी है। उद्योग प्रकोष्ठ से नगर अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि यह बजट हमारी उम्मीदों के विपरीत है।

वितमंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किया गया बजट को देखते उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश पदाधिकारी।

आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने वाला बजट : मल्हन

नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन ने बजट की सराहना की

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के उद्यमियों का सबसे बड़ा संगठन नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने केन्द्र सरकार के पेश बजट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बजट में हाउसिंग सैक्टर में 2 करोड़ किफायती घर बनाने की योजना है इससे विभिन्न उद्योगों जैसे सीमेंट, स्टील, प्लाईवुड, कंक्रीट और विनिमार्ण सामग्री के उद्योगो को तेज रफ्तार मिलेगी। रेलवे के नए कॉरिडोर बनाने की योजना है जिससे उद्योगों में बढावे के साथ माल ढुलाई में सुविधा एंव किफायती होगी।

अनुसंधान एंव विकास पर कम दरों एंव शून्य ब्याज से नए उद्योगों के विकास में मदद मिलेगी और उद्योगों में प्रगति होगी। सोलर एंव ई-वाहनों पर सरकार का ध्यान है जिससे विद्युत उत्पादन एंव उद्योगों में नए विर्निमाण को मदद मिलेगी। आयकर में वर्ष 2010 से पहले की 25 हजार रूपये से कम की जो विवादित मांग लंबित थी उसको माफकरके उद्योगों एंव विभाग के लिए बहुत ही सुविधाजनक काम किया है।

श्री मल्हन ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने वाला बजट है और देश के विकास एवं सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम बजट प्रस्तुत किया गया है ।

चर्चा के दौरान एनईए महासचिव वी.के.सेठ, वरि. उपाध्यक्ष राकेश कोहली, हरीश जोनेजा, धर्मवीर शर्मा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मोहन जिंदल, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, सचिव राहुल नैययर, राजन खुराना, मयंक गुप्ता, सह-कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, प्रेम नारायण अरोड़ा, अजय अग्रवाल, अभिनव महाजन, डी.के इग्ले, जोगेन्द्र सिंह, सुभाष जावा आदि उद्यमी मौजूद थे।

अब 'मृतक' नहीं ले पाएंगे सरकारी राशन!

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में अब मृतक राशन नहीं उठा पाएंगे। विभाग ने इस पर लगाम लगाने के लिए कार्ड के मुखिया समेत सभी सदस्यों का केवाईसी कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए हर सदस्य को कम से कम एक बार ई-पॉस मशीन पर अंगूठा लगाकर राशन उठाना पड़ेगा।

यह व्यवस्था फरवरी माह से शुरू हो जाएगी। इसमें सभी यूनिटों को क्रम वार अलग-अलग महीनों में ई-पाश मशीन में अंगूठा लगाने का मौका दिया जाएगा। इस व्यवस्था से ऐसे यूनिट का पता चल जाएगा, जिनका निधन हो चुका है।

इसे लेकर आपूर्ति विभाग प्लानिंग कर रहा है। विभाग यूनिटों की सुविधा के मुताबिक समय निर्धारित करना चाहता है, जिससे गैर जनपद व गैर राज्यों में काम करने गए लोगों को भी असुविधा न हो।

आपूर्ति विभाग ने राशन कार्डों के यूनिटों के सत्यापन का नया तरीका अपनाया है। इसके अंतर्गत कार्ड के प्रत्येक यूनिट को एक बार ई-पास मशीन में अंगूठा लगाना पड़ेगा। इसका समय विभाग की ओर से निर्धारित किया जाएगा। राशन कार्ड धारकों का कोई भी एक यूनिट ई-पाश मशीन में अंगूठा लगाकर राशन प्राप्त कर सकता है ।राशन कार्ड धारकों का कोई भी एक यूनिट ई-पाश मशीन में अंगूठा लगाकर राशन प्राप्त कर सकता है। पिछले कई वर्षों से यह व्यवस्था चल रही है। ऐसे में जिस व्यक्ति का निधन भी हो गया है, उसका भी खाद्यान्न उठ रहा है। जबकि इसकी सूचना दी जानी चाहिए, जिससे कार्ड से ऐसे यूनिट को हटाया जा सके।

GRV
BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

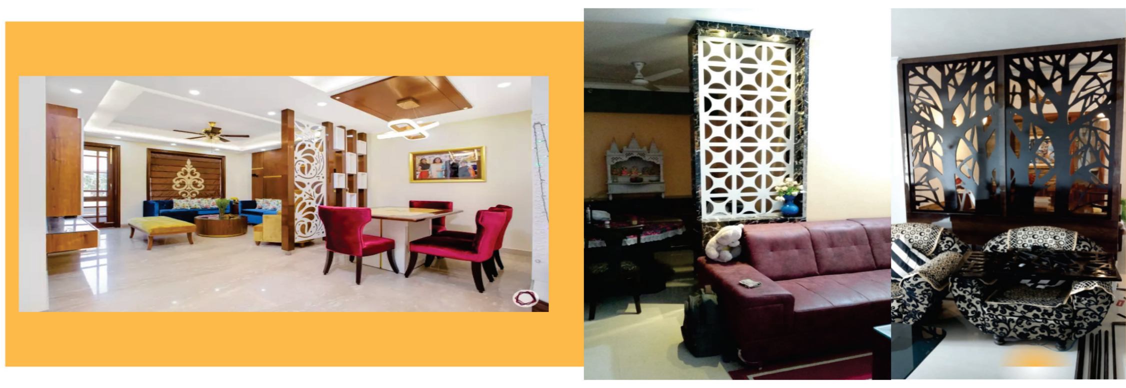

Certified by :
ISO 9001
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com